वर्ष : 17 ❖ अंक : 36 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 06 सितम्बर 2022

दिल्ली का ऐतिहासिक राजपथ अब बनेगा 'कर्तव्य पथ' 3

फडणवीस बोले- उद्धव को सत्ता से हटाने की आखिरी लड़ाई 8

शिक्षा और शिक्षकों के प्रति नजरिया बदलने का समय आ गया है : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 सितम्बर । सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा आज शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में मनन केंद्र में 'निपुण भारत, निपुण सिक्किम' के बैनर तले राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा आयोजन में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा राई, शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा के अलावा कैबिनेट मंत्री, विधानसभा उपाध्यक्ष सांगे लेख्चा, सांसद इंद्र हांग सुब्बा, मुख्य सचिव वीबी पाठक, सलाहकार, विधायक, विभागीय अधिकारी और शिक्षकों की भी विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर अपने उद्घाटन वक्तव्य में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आर तेलंग ने सिक्किम के शिक्षा क्षेत्र से जुड़े दृष्टिकोण, मिशन एवं कार्यों की प्रस्तुति देते हुए सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से प्रभावी मानव संसाधन प्रबंधन हासिल करने की दिशा में चुनौतियों पर प्रकाश डाला। वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शिक्षा मंत्री केएन लेप्चा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु देश के शिक्षा क्षेत्र में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए ही 2026-27 तक पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य के साथ नयी शिक्षा नीति 2020 को लाई गई है। इसके साथ ही उन्होंने निपुण भारत, निपुण सिक्किम के विभिन्न पहलुओं के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती स्तर पर स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों के क्षमता निर्माण, हरेक बच्चे की प्रगति हेतु उच्च गुणवत्ता के संसाधन मुहैया कराना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अपने शिक्षक जीवन को याद करते हुए कहा कि अपने पूर्व विद्यार्थियों को आज विभिन्न सम्मानजनक पदों पर देखकर गर्व होता है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्राथमिक तथा सेकेण्डरी स्तर पर शिक्षा की बेहतरी हेतु कई कदम उठाये गये हैं। उनके अनुसार शिक्षा और शिक्षकों के प्रति नजरिया बदलने का समय आ गया है। इसे ध्यान में रखते हुए वर्तमान राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न बाधाओं के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में वर्तमान सरकार की विभिन्न शिक्षा और शिक्षकों के प्रति बदले हुए रवैये को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित शिक्षकों को विदेश दौरे पर भेजा जाएगा। वहीं अपने सम्बोधन के दौरान मुख्यमंत्री तमांग ने उन सभी शिक्षकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने समाज में शिक्षा के प्रसार हेतु अपना बलिदान दिया है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में स्वर्गीय डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए उनके योगदान पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने अपने छात्र जीवन को भी याद किया, जब वह हमेशा 5 सितम्बर को अपने शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु तत्पर रहते थे।

इस अवसर पर राज्य के छह जिलों के प्राथमिक एवं सेकेण्डरी स्तर के 11 शिक्षकों को राज्य सम्मान और 28 शिक्षकों को सराहना प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। वहीं समारोह में नई दिल्ली में शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किये जाने वाले राज्य के दो शिक्षकों के नामों की भी घोषणा की गयी। इनमें मॉडर्न एसएसएस की श्रीमती माला जिगदल दोरजी और एकलव्य मॉडल आवासी स्कूल के सिद्धार्थ योन्जन शामिल रहे। दोनों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से ताशी नामग्याल अकादमी को 15 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गयी।

वहीं इस दौरान सिक्किम स्टेट एजुकेशन सर्विस कैडर, सिक्किम टीचर्स एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट सेकेण्डरी एंड सीनियर सेकेण्डरी स्कूल्स की ओर से मुख्यमंत्री गोले को सम्मानित किया गया।

वन झांकरी फाल्स के ठेका को लेकर विवाद

नियमों को ताक पर रखकर दिया गया ठेका : कला राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 सितम्बर । राजधानी गंगटोक से करीब 12 किमी दूर स्थित तथा पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र वनझांकरी फॉल्स के संचालन हेतु मंगाये गये टेंडर को लेकर आज नये विवाद ने जन्म ले लिया है। आरोप लगाया गया है कि पर्यटन विभाग द्वारा राज्य सरकार को अंधेरे में रखकर ही बगैर नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया के ही एक व्यक्ति को फायदा पहुंचाते हुए उसे संचालन का ठेका दे दिया है।

पार्षद कला राई ने कुछ अन्य स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर हंगामा किया और धरना दिया और आरोप लगाया कि इसका अनुबंध नियमों को ताक पर रखकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी को दिया गया है, जो पहले ही राज्य से पर्याप्त कमाई कर चुका है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं की उपेक्षा की जाती है और उन्हें बुनियादी जीवनयापन भी नहीं करने दिया जाता है। उन्होंने मनमाने आवंटन की जगह खुली निविदा आयोजित करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि कला राई एसकेएम पार्टी की एक प्रभावशाली महिला नेता हैं और इसे उनकी सरकार की नीति के खिलाफ धरने के रूप में देखा जा सकता है।

पार्षद कला राई ने धरना देने के बाद और मंत्री बीएस पंथ और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत के बाद कहा कि हमें पता चला कि संबंधित विभाग ने एक व्यक्ति को उचित निविदा के बिना ठेका सौंप दिया है। इसके विरोध में हम धरने पर बैठ गए। इसके कुछ देर के बाद हमें बैठक के लिए बुलाया गया। बैठक में, यह निर्णय लिया गया कि वनझाकरी फॉल्स पर्यटन स्थल को तब तक बंद रखा जाए जब तक कि नई खुली निविदा नहीं आमंत्रित की जाती है। उन्होंने कहा कि हम साइट के संचालन की अनुमति नहीं देंगे और हम चाहते हैं कि नई खुली निविदाएं निष्पक्ष रूप से आमंत्रित की जाएं। सही व्यक्ति को ठेका सौंपा जाए। उन लोगों को साइट संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो पहले से ही अमीर हैं और हम चाहते हैं कि इस साइट से गरीबों को एक मौका मिले।

कला राई ने बताया कि नियमों की अनदेखी कर किसी एक व्यक्ति को फायदा पहुंचाने हेतु बनझांकरी फॉल्स के संचालन का काम उसे सौंपा गया है। उन्होंने स्थानीय लोगों को इसके संचालन का काम देने की मांग की है। 2019 से बंद इस पार्क के पुन: संचालन हेतु एसटीडीसी की ओर से पहल की गयी है। इसी के तहत पर्यटन विभाग ने एक अवकाशप्राप्त अधिकारी को इसके संचालन की जिम्मेदारी सौंपी है। बताते हैं कि उस अधिकारी ने इसे लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर दिये हैं। ऐसे में अब विवाद होने के बाद इस फॉल्स के संचालन पर सवालिया निशान लग गया है।

इस मामले में मंत्री बीएस पंत ने दावा किया कि सभी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए ही उक्त व्यक्ति को फॉल्स संचालन हेतु ठेका दिया गया है। उन्होंने बताया कि तीन आवेदनकारियों में से इसका चुनाव किया गया है। वहीं दूसरी ओर एसटीडीसी अध्यक्ष लुकेन्द्र रसाइली ने भी कहा कि सभी नियमों को मानते हुए ही यह कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थानीय पार्षद का अन्यों से सम्पर्क न होने के कारण ही इस विवाद का जन्म हुआ है। उनके अनुसार अब इस सम्बंध में सरकार की फैसला ले सकती है।

टेंडर में व्याप्त अनियमितता सिक्किम के लिए नया नहीं : डॉ. गिरी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 सितम्बर । सिक्किम प्रदेश भाजपा ने राज्य में टेंडर एवं सप्लाई के कार्यों में अनियमितता तथा इसे लेकर स्थानीय बनझांकरी फॉल्स में हुए विवाद पर सवाल उठाये हैं। पार्टी का कहना है कि राज्य में यह अनियमितता पिछले दो सरकारों के कार्यकालों में समान रूप से जारी है। भाजपा इसका तीव्र विरोध करती है।

सिक्किम प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राजू गिरी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि राज्य में टेंडर एवं सख्लाई कार्यों में व्याप्त भारी अनियमितता कोई नयी बात नहीं है। पिछले कई वर्षों से हम इस समस्या के आदि हो चुके हैं और समय-समय पर इस विषय को सरकार और जनता के बीच उठाया भी है। लेकिन हाल ही में गंगटोक के निकट बनझांकरी फॉल्स के पुन:संचालन एवं इसकी देख-रेख को लेकर जिस प्रकार विवाद शुरू हुआ है, वह इस अनियमितता का खुला प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि यह सिक्किम की छोटी समस्या नहीं है, बल्कि पिछले दो कार्यकालों से बनी हुई है।

गिरी ने कहा कि किसी सरकारी टेंडर या सप्लाई का काम नियमानुसार सही एवं पारदर्शी तरीके से होता है, लेकिन आज का बनझांकरी फॉल्स मामला विभाग द्वारा सभी नियमों को ताक में रखते हुए मनमाने ढंग से कार्य आवंटित करने का उदाहरण है। इसने सत्ता पक्ष की ही एक महिला नेता को जनता की आवाज बनकर मैदान में उतरने को मजबूर किया है। वहीं यह घटना इस बात का भी उदाहरण है कि व्यवस्था परिवर्तन का नारा लेकर सत्ता में आयी मौजूदा सरकार की कार्य प्रणाली भी पूर्ववती सरकार से अलग नहीं है।

इसी प्रकार नामची जिलान्तर्गत यांगयांग निर्वाचन क्षेत्र के मंगली में भी पर्यटन विभाग की टेंडर प्रक्रिया का एसकेएम पार्टी के बेरोजगारों ने तीव्र विरोध किया है। इसमें भी सरकारी नियमों की अनदेखी करते हुए बेरोजगारों के पेट पर लात मारने का काम किया गया है। युवाओं का कहना है कि नियमानुसार बीएसी तथा जीपीयू के नोटिस बोर्ड पर टेंडर सूचना चिपकाया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। गिरी ने आगे कहा कि भाजपा सिक्किम इकाई सम्बंधित सरकारी विभागों में इस प्रकार की अनियमितता एवं मनमाने कार्यकलापों की कड़े शब्दों में विरोध करते हुए ठेका प्रणाली को पारदर्शी एवं सरल बनाने की मांग करती है।

राज्य के दो शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 सितम्बर । देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर देश भर के चयनित 45 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2022 द्वारा सम्मानित किया। पुरस्कृत शिक्षकों में सिक्किम के दो शिक्षक भी शामिल हैं। राज्य से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल (ईएमआरएस), गांग्याप के प्राचार्य सिद्धार्थ योंजन और शिक्षिका माला जिग्दाल दोरजी शामिल हैं।

दोनों शिक्षकों को आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने सम्मानित किया।

प्राचार्य योंजन ने अपने पेशा के प्रति अद्वितीय प्रतिबद्धता अनि तत्परता प्रदर्शित करते हुए ईएमआरएस गांग्याप के स्तर को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। उनकी विशेष उपलब्धि में अध्ययन-अध्यापन को रोचक बनाना इसके केंद्र को खेलकूद और संगीत में करना शामिल है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत स्कूल की शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर का स्वतन्त्र निर्णायक मण्डली गठन किया गया था। तीन चरण के निरन्तर और पारदर्शी आनलाइन चयन प्रक्रिया के माध्यम से 45 असाधारण शिक्षकों की सूची में राज्य के दोनों शिक्षकों का नाम शामिल किया गया।

इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति मामला मन्त्री ने ईएमआरएस जनजाति स्कूल के शिक्षक को तीसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना जाना मन्त्रालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उनको उदाहरणीय कार्य से अन्य स्कूल के शिक्षकों को भी श्रेष्ठता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

शिक्षक दिवस पर चर्चा व सम्मान समारोह आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 05 सितम्बर । शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सोरेंग जिला प्रशासनिक केंद्र में आज विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों द्वारा एक चर्चा सत्र एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिला कलेक्टर भीम ठटाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में एसपी जे जयपांडियन, एडीसी धीराज सुबेदी, एडीसी (विकास) गायस पेगा, एसडीएम रंजन राई, डीएफओ कृष्णा देवान के अलावा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

डीसी भीम ठटाल ने यहां अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों के अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान जताने हेतु ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक मौडल जिला बनने की दिशा में हरेक बच्चे का शिक्षित होना जरूरी है। ऐसे में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान उन्होंने सरकार की निपुण भारत योजना का जिक्र किया, जिसका उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करना है। वहीं अपने वक्तव्य के दौरान डीसी ने इस वर्ष का राज्य शिक्षक सम्मान प्राप्त करने वाले जिले के शिक्षकों देवी माया बसनेत और गोविन्द प्रधान को बधाई दी। इसी कड़ी में उन्होंने अगले वर्ष से जिले में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान प्रदान किये जाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में कई अन्य विशिष्ट लोगों ने भी भागीदारी की।

समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 सितम्बर । शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आज सिक्किम आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सर्वपल्ली राधाकृष्णन उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह 2022 का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के एनजे यशस्वी सभागार में आयोजित हुए इस सम्मान समारोह में सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा समारोह में राज्य विधानसभा के अध्यक्ष अरुण कुमार उप्रेती, शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेख्चा के अलावा विभिन्न स्कूल, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि अमेरिका की इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेशन फॉर वर्ल्ड पीस के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा यह समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने शिक्षाविद, दार्शनिक, देश के पहले उपराष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदानों को याद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदानों को जीवित रखते हुए ही हर वर्ष उनके जन्मदिन को पूरे देश में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। राज्यपाल ने कहा कि पूरी ऊर्जा से भरे युवाओं से भरी कक्षा को सम्भालना आसान नहीं है, जिसे शिक्षक जिम्मेदारीपूर्वक एवं प्रतिबद्धता से हर रोज करते हैं। यह उन्हें समाज का असली हीरो बनाता है। उन्होंने समाज निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए उपस्थित सभी विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों के बताये मार्ग पर चलने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं राज्यपाल ने समारोह में सम्मानित किये गये सभी शिक्षकों को बधाई दी।

वहीं आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के उप-कुलपति डॉ. जगन्नाथ पटनायक ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने में शिक्षक बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ऐसे में शिक्षक दिवस उनके इस योगदान के प्रति कृतज्ञता जताने का उपयुक्त अवसर है। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान जताया।

इससे पहले ओआईसी, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के अतिरिक्त निदेशक एनएस सिद्धैया ने विश्वविद्यालय और एसटीपीआई के बीच हुए समझौते के बारे में बोलते हुए कहा कि शोध एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उनके इस समझौते से स्टार्ट-अप समुदायों एवं औद्योगिक हितधारकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों से आईटी एवं आईटीइएस उद्योगों में स्टार्ट-अख्रस को सहयोग देने तथा नयी तकनीकी एवं खोजों को विकसित करने की दिशा में स्टार्ट अप कम्पनियों को सुविधाएं प्रदान करने में एसटीपीआई काफी अनुभवी है। इस अवसर पर एसटीपीआई और विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर भी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नितिन गडकरी का खुलासा : खराब प्रोजेक्ट रिपोर्ट सड़क हादसों के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली, 05 सिम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कुछ सड़क दुर्घटनाओं के लिए त्रुटिपूर्ण परियोजना रिपोर्ट को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि कंपनियों को राजमार्गों एवं अन्य सड़कों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के वास्ते उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार नयी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। खुलकर विचार व्यक्त करने के लिए विख्यात गडकरी ने कहा, कंपनियों द्वारा तैयार की गईं कुछ डीपीआर अत्यधिक खराब हैं और सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं।

'उन्होंने डीपीआर तैयार करने वाली कंपनियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। गडकरी ने कहा, 'शुरुआत वहां (डीपीआर) से करो। अगर वो (कंपनी) नहीं सुधरेंगी, तो पूरा तुम्हारा सत्यानाश हो जाएगा।''

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर कोई अनाड़ी चालक हो तो नयी मर्सिडीज कार भी समस्या खड़ी कर सकती है। गडकरी ने सड़क परियोजनाओं में देरी के कारणों की पहचान करने पर जोर दिया क्योंकि देरी के कारण निर्माण की बढ़ती लागत भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की रविवार को एक सड़क दुर्घटना में तब मौत हो गई जब उनकी कार महाराष्ट्र के पालघर जिले में डिवाइडर से टकरा गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में पूरे भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। इस तरह औसतन रोजाना 426 या हर घंटे में 18 लोगों की मौत हुई जो अब तक किसी भी कैलेंडर वर्ष में दर्ज सर्वाधिक मौत का आंकड़ा है।

शीर्ष कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- सरकार पर नहीं डाल सकते निजी अस्पतालों की सुरक्षा का भार

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निजी अस्पतालों की सुरक्षा से जुड़ी एक याचिका पर कड़ी टिप्पणी करते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने कहा कि इस देश में बड़ी संख्या में अस्पताल, नर्सिंग होम और चिकित्सा संस्थान निजी हैं। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार से ये आशा नहीं की जा सकती कि वे इन निजी संस्थानों को सुरक्षा उपलब्ध कराएं। पीठ ने ये भी कहा कि निजी अस्पतालों को अपनी सुरक्षा के लिए खुद इंतजाम करने चाहिए।

पीठ दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की असम राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉक्टर सत्यजीत बोरा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें याचिकाकर्ताओं ने आग्रह किया था कि अधिकारियों को अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए ताकि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों पर मरीजों के रिश्तेदारों और अन्य लोगों के हमलों को रोका जा सके।

इस याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील से पूछा कि आप चाहते हैं कि सरकार प्रत्येक अस्पताल को सुरक्षा प्रदान करे? निजी संस्थानों को अपनी सुरक्षा की व्यवस्था खुद करनी चाहिए। आप सरकार पर बोझ नहीं डाल सकते।

अदालत की फटकार के बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि वे अपनी याचिका में जरूरी संशोधन के बाद संबंधित दस्तावेज जमा करेंगे। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि हम याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि इसमें विवरण का अभाव है। साथ ही पीठ ने आगे कहा कि आगे भी हम इस तरह की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा कि हम राज्य सरकार या केंद्र सरकार से निजी अस्पतालों के लिए सुरक्षा प्रदान करने की उम्मीद नहीं कर सकते जो कि व्यावसायिक उद्यम हैं।

जम्मू कश्मीर में गांधीवादी मूल्यों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिताएं की जाएंगी आयोजित: उपराज्यपाल

श्रीनगर, 05 सिम्बर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन नई पीढ़ी के चरित्र में गांधीवादी मूल्यों को समाहित करने के लिए सभी स्कूल और कॉलेज में 'सत्य और अहिंसा' पर वाद-विवाद तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित कराएगा।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी में शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि महात्मा गांधी को सत्य और अहिंसा के दो सिद्धांत बहुत प्रिय थे।

उन्होंने कहा, 'अगले कुछ दिनों में हम सभी स्कूल और कॉलेज में वाद-विवाद तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता शुरू करेंगे। गांधी जयंती पर, हम सभी पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों और देश के प्रमुख गांधीवादियों को एकत्र करेंगे, ताकि महात्मा गांधी के मूल्य (वैल्यू) किताबों तक ही सीमित न रहे बल्कि हमारी नैतिकता और चरित्र में भी प्रतिबिंबित हों।'

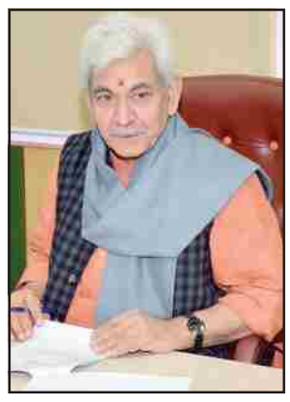

उन्होंने कहा कि हाल में आतंकवादियों द्वारा शिक्षकों की हत्या करने की घटनाएं हुई हैं।

उपराज्पाल ने कहा, 'कुछ समय पहले कुछ लोगों ने निर्दोष शिक्षकों की हत्या का जघन्य अपराध किया है। सुरक्षा बल अपना काम कर रहे हैं लेकिन मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि समाज ऐसे अपराधों के खिलाफ खड़ा हो। जम्मू कश्मीर में बेगुनाहों का बहुत खून बहाया गया है। अगर हम और कुछ नहीं कर सकते तो कम से कम इसकी निंदा तो कर ही सकते हैं।'

वह उन घटनाओं का हवाला दे रहे थे जिनमें पिछले साल शहर के ईदगाह इलाके में एक स्कूल में दो शिक्षकों की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा इस साल की शुरुआत में कुलगाम जिले में एक अन्य शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

केसीआर ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- 2024 में आएगी गैर भाजपा सरकार तो किसानों को मिलेगी फ्री बिजली

हैदराबाद, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को बड़ा एलान किया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में एक गैर-भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जाएगी। वे निजामाबाद में जिला कार्यालय परिसर और टीआरएस पार्टी के जिला मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस जनसभा में उन्होंने भाजपा सरकार और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर किसानों को कृषि पंप सेटों में मीटर लगाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि देश के सभी किसान 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद एक गैर-भाजपाई झंडा फहराएंगे। हम इस गरीब विरोधी, किसान विरोधी, मजदूर विरोधी सरकार को हटा देंगे और हमारी अपनी सरकार दिल्ली में भी सत्ता में आएगी। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि मैं इस देश के किसानों को खुशखबरी दे रहा हूं। अगर आप इस बार एक गैर-भाजपा सरकार चुनेंगें तो उन्हें तेलंगाना की तरह मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस देश में ऐसा कोई राज्य नहीं है जो किसानों सहित सभी को 24 घंटे बिजली प्रदान करता हो। उन्होंने कहा कि देश में तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जो प्रत्येक दलित परिवार को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार उर्वरकों, डीजल और अन्य साधनों की लागत बढ़ाकर किसानों के लिए खेती करना मुश्किल बना रही है। मोदी सरकार इसलिए ऐसा कर रही है ताकि खेती की जमीन को किसानों से छीन लिया जा सके और उद्योगपतियों को दे दिया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि केंद्र ने एनपीए के नाम पर 12 लाख करोड़ रुपये के ऋण को बट्टे खाते में डाल दिया है। वह देश के सभी किसानों को मुफ्त बिजली देने को तैयार नहीं है, जिस पर 1.45 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इस दौरान केसीआर घोषणा करते हुए कहा कि कि राष्ट्र के लिए लड़ाई तेलंगाना से शुरू होनी चाहिए। देश को ऐसी सरकार की जरूरत नहीं है जो विपक्षी दलों को बांटती है और सरकारों को गिराने के लिए मवेशियों की तरह विधायकों को खरीदती है।

बेहतर काम कर रहीं महिला कर्मचारी, केंद्र की कई सुविधाएं इसकी वजह : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार की महिला कर्मचारी कई सुविधाओं के कारण बेहतर प्रोडक्शन दे रही हैं, जिसमें 730 दिन का चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) और लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) शामिल हैं।

शिक्षक दिवस के अवशर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेंशन विभाग और अन्य के महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने यह भी कहा कि अभी तीन महीने पहले डीओपीटी ने साठ दिन का विशेष अनुदान देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

महिला कल्याण के लिए किए गए कुछ प्रमुख सुधारों और पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने 730 दिनों के सीसीएल के अनुदान को जारी रखने, एलटीसी की सुविधा, विकलांग बच्चे के मामले में 22 वर्ष की सीमा को हटाने जैसे कदम उठाए हैं।

सीसीएल का लभा उठाने वाले नौकर और विकलांग महिला कर्मचारियों को तीन हजार रुपये प्रति माह के विशेष भत्ते के परिणामस्वरूप बेहतर उत्पादन हुआ है, इसके अलावा महिला कर्मचारियों के लिए जीवनयापन आसान हुआ है।

उन्होंने बताया कि डीओपीटी द्वारा समय-समय पर विभिन्न निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें केंद्र सरकार की नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और उनके सामने आने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए महिला कर्मचारियों के लाभ के नियमों और विनियमों में विशेष प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन सुधारों ने महिलाओं के लिए काम करने में आसानी को सक्षम किया है और वास्तव में व्यापक अर्थों में महिला कर्मचारियों को अपनी क्षमता के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से बड़े सामाजिक सुधार किए हैं।

उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने केंद्र सरकार की नौकरियों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने और उन्हें पेशेवर और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

लातूर में महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक से 49 लाख रुपये की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के लातूर में महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक में चोरी की घटना सामने आई है। शिरुर अनन्तपाल के एक पुलिस अधिकारी ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह ये घटना सामने आई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने ये भी बताया कि बैंक से 27 लाख रुपये नकद और 22 लाख रुपये के गहने चोरी हुए हैं। मामले में जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि लातूर जिले के शिरुर अनन्तपाल इलाके के नगर पंचायत भवन में महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक की शाखा है। इसी शाखा में चोरो ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। घटना के बारे में शाखा प्रबंधक सौरभ खैरे ने बताया कि ये घटना तब सामने आई जब सोमवार सुबह करीबन 10 बजे बैंक को खोला जाना था। वहां मौजूद लोगों ने देखा कि बैंक का मेन गेट टूटा हुआ था। इसके बाद जब अंदर पड़ताल की गई तो मेन लॉकर भी टूटा मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि इस शाखा में आस-पास के लगभग 14 गांव के लोगों ने अपने खाते खुलवा रखे हैं। शाखा प्रबंधक ने बताया कि शुरुआती गणना के हिसाब से 27 रुपये नकद और 22 लाख रुपये के गहने कुल मिला कर 49 लाख रुपये की चोरी हुई है।

वहीं, शिरूर अनंतपाल के निरीक्षक रामेश्वर टाट ने बताया कि शाखा प्रबंधक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करने किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी चोरी का आकलन बैंक में चल रहा है। ये आंकड़ा बढ़कर 57 लाख रुपये हो सकता है।

उन्होनें आगे बताया कि बैंक के मुख्य लॉकर में पांच प्रकार के ताले होते हैं। जिस तरह से लॉकर को तोड़ा वो चोरों के पेशेवर और बेहद चालाक होने को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शिरूर अनंतपाल पंचायत भवन का निर्माण कार्य चल रहा है और खिड़कियों में ग्रिल नहीं है, जिससे लुटेरों की बैंक तक पहुंच हो सकती है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस घटना का अनावरण किया जाएगा।

कांग्रेस ने असम के सीएम सरमा और उनकी पत्नी पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, सीबीआई से जांच की मांग

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए और सीबीआई को पत्र लिखकर आरोपों की जांच की मांग की।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली में सीबीआई को ज्ञापन सौंपा और जंतर-मंतर पर धरना दिया। इसमें एआईसीसी प्रभारी जितेंद्र सिंह और असम इकाई के प्रमुख भूपेन कुमार बोरा सहित राज्य के पार्टी के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, असम में मेरे सहयोगियों ने असम के सीएम के खिलाफ सात विशिष्ट मामलों पर सीबीआई जांच की मांग की है। हिमंत बिस्वा सरमा को ग्रेट बीजेपी वॉशिंग मशीन का आशीर्वाद प्राप्त है, लेकिन उनके खिलाफ सबूत हैं। क्या सीबीआई को अपना काम करने की अनुमति दी जाएगी।

सीबीआई को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है, 'असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर सीबीआई, भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती है और सीबीआई द्वारा तत्काल जांच करने के लिए तुरंत कदम उठाने का अनुरोध करती है। सच्चाई का पता लगाना और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करना आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

आरोप लगाया गया है कि उत्तरी गुवाहाटी के अमिनगांव में स्थित वंद्या इंटरनेशनल स्कूल सीएम की पत्नी रिंकी भुयान सरमा के स्वामित्व में हैं, जिन्होंने हाल ही में इसका उद्घाटन किया और सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि इस स्कूल के संस्थापक असम के मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस ने पूछा, लेकिन असम राज्य के प्रमुख होने के नाते एक मुख्यमंत्री एक इंटरनेशनल स्कूल कैसे चला सकते हैं?

उन्होंने जो दूसरा मुद्दा उठाया वह एक निजी कंपनी आरबीएस रियल्टर्स के बारे में था, जिस पर पार्टी ने आरोप लगाया कि उनसे असम के मुख्यमंत्री के परिवार से संबंधित कई फर्मों और कंपनियों को बेहिसाब धन ट्रांसफर किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के सर्वकालिक निदेशक अशोक धानुका भी कथित तौर पर झारखंड में विधायक खरीद-फरोख्त मामले में शामिल हैं। कोलकाता से आरबीएस रियल्टर्स द्वारा किए गए लेनदेन की सीबीआई द्वारा जांच की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि तीसरी मांग मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों के कथित भूमि घोटाले को लेकर है..असम राज्य में सबसे बड़े भूमि घोटाले में से एक में मुख्यमंत्री कथित रूप से शामिल थे। असम प्रदेश कांग्रेस की मांग है कि सरकार को चाहिए कि वह जमीन घोटाले की सीबीआई से जांच कराए।

उन्होंने कहा कि तीसरी मांग मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों के कथित भूमि घोटाले को लेकर है..असम राज्य में सबसे बड़े भूमि घोटाले में से एक में मुख्यमंत्री कथित रूप से शामिल थे। असम प्रदेश कांग्रेस की मांग है कि सरकार को चाहिए कि वह जमीन घोटाले की सीबीआई से जांच कराए।

कुछ लोग कोर्ट केस कर सरकारी भर्तियों को रोकने की दे रहे धमकी : सीएम ममता

कोलकाता, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि सरकार स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की नौकरियों के इच्छुक उम्मीदवारों को रोजगार देने की इच्छुक है, लेकिन अदालती मामलों ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया है।

शिक्षक दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एसएससी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से बात की और कहा कि लोगों का एक वर्ग जनहित याचिका (पीआईएल) दायर कर-करके सरकार को भर्ती रोकने की धमकी दे रहा है।

पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के मामले में आलोचनाओं का सामना कर रहीं बनर्जी ने कहा कि कई बार जो सत्ता के शीर्ष पायदान पर होते हैं, उन्हें निचले स्तर के लोगों के द्वारा किए भ्रष्टाचार के कारण जनता के गुस्से का सामना करना पड़ता है। ममता ने शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी का परोक्ष तौर पर बचाव करते हुए कहा- 'शिक्षक की नौकरी नहीं मिलने को लेकर कुछ उम्मीदवार सड़क पर आंदोलन कर रहे थे। मैंने जब तत्कालीन शिक्षा मंत्री से इसकी वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि उनके नंबर योग्यता से कम हैं। चूंकि हमारी सरकार हमेशा दया दिखाती है इसलिए मैंने उनसे कहा था कि अगर हो सके तो नंबर बढ़ाकर उनके लिए व्यवस्था कर दीजिए।'

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की घोर आलोचक रहीं टीएमसी सुप्रीमो ने हैरानगी जताते हुए कहा कि भाजपा शासित मध्यप्रदेश को हिला देने वाले व्यापमं घोटाले में कोई गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। बनर्जी ने व्यापम घोटाले में मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री की गिरफ्तारी नहीं होने पर सवाल उठाए और कहा कि मध्य प्रदेश में इतना बड़ा व्यापम घोटाला हुआ, जिसकी वजह से 54 लोगों ने खुदकशी कर ली। उस घोटाले में वहां के शिक्षा मंत्री को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?

दूसरी ओर बंगाल में टीएमसी सरकार पिछले दस वर्षों से 'अत्यधिक वित्तीय तनाव' के तहत जनता की सेवा कर रही है, 'हर दिन उपहास' किया जा रहा है।

बनर्जी ने कहा कि टीएमसी शासन के 11 वर्षों के दौरान एसएससी द्वारा अबतक 2.63 लाख शिक्षण और गैर-शिक्षण भर्तियां की गई हैं और 10,000 से अधिक विश्वविद्यालय शिक्षकों की भर्ती की गई है। 89,000 और शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जल्दी की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, 'जिन्हे न्याय नहीं मिला है उन्हें न्याय मिलेगा। लेकिन कुछ लोग मामले का राजनीतिकरण करना चाहते हैं और प्रक्रिया को रोकने के लिए जनहित याचिका दायर कर रहे हैं। यदि आप मामले दर्ज करते हैं, तो प्रक्रिया में समय लगेगा। मैं नौकरियां पैदा करना चाहती हूं लेकिन कुछ लोग जनहित याचिका दाखिल कर बाधा डालने का काम कर रहे हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'जैसे किसी व्यक्ति के हाथों की उंगलियां एक जैसे नहीं होती, ठीक वैसे ही सभी लोग एक जैसे नहीं होता। हमारे नैतिक चरित्र अलग-अलग होते हैं और समाज में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग होते हैं। जैसे एक व्यक्ति समाज को परिभाषित नहीं कर सकता है, वैसे ही एक व्यक्ति बुरा काम परिभाषित नहीं कर सकता। हमें सभी एक ही ब्रैकेट में नहीं रखना चाहिए।'

बनर्जी ने विपक्ष की आलोचना की। हालांकि उन्होंने किसी भी पार्टी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग हैं जो न तो खुद काम करते हैं और न ही दूसरों को काम करने देते हैं। मध्यप्रदेश के व्यापमं घोटाले के दौरान उन्होंने (भाजपा) क्या किया? अब तक पचास लोग मर गए। कल भी राज्य में एक और घोटाला उजागर हुआ। भ्रष्टाचारियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है।'

मध्यप्रदेश के महालेखाकार ने लड़कियों और महिलाओं के लिए महत्वकांक्षी निशुल्क भोजन योजना में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और अनियमितताएं पाई हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए पूर्ववर्ती वाम मोर्चा शासन को जिम्मेदार ठहराया।

बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की वित्तीय स्थिति की तुलना आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों से करना अनुचित होगा क्योंकि उन पर पिछली सरकारों का कर्ज नहीं है। उन्होंने कहा, 'केंद्र हमें धन नहीं देता है और बंगाल की वित्तीय स्थिति की तुलना अन्य राज्यों से करना अनुचित होगा, जिन्हें पिछली सरकारों का कर्ज नहीं चुकाना है।'

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए बनर्जी ने शिक्षक दिवस पर पड़ोसी देश के शिक्षकों को भी शुभकामनाएं दीं। चार दिवसीय यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंची हसीना मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करेंगी, जिसके बाद दोनों पक्ष रक्षा, नदी जल बंटवारा, व्यापार में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों का अनावरण कर सकते हैं।

दिल्ली का ऐतिहासिक राजपथ अब बनेगा 'कर्तव्य पथ', मोदी सरकार बदलेगी नाम

राजेश अलख

नई दिल्ली, 05 सितम्बर । केंद्र की मोदी सरकार अब जल्द ही नई दिल्ली के ऐतिहासिक राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर 'कार्तव्य पथ' करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर 'कार्तव्य पथ' करने को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है।

बता दें कि, इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन (रायसीना हिल) तक के मार्ग को राजपथ के नाम से जाना जाता है। हर साल यहां गणतंत्र दिवस पर भव्य परेड और झांकियां निकाली जाती हैं। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के अंतर्गत आने वाला राजपथ एक उच्च सुरक्षा वाला इलाका है।

गौरतलब है कि, इससे पहले मोदी सरकार ने पहले कार्यकाल के दौरान साल 2016 में दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने वाले रेस कोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया था। वही, 28 अगस्त 2015 को औरंगजेब रोड का नाम बदलकर मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड रखा गया था।

विपक्षी एकता को मतबूत करने दिल्ली पहुंचे नीतीश, राहुल से की मुलाकात

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तीन दिन के दौरे पर सोमवार को दिल्ली पहुंचे। शाम को सीएम नीतीश ने राहुल गांधी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं के बीच करीब पचास मिनट तक मुलाकात हुई। बता दें कि नीतीश कुमार की महागठबंधन में वापसी और नई सरकार बनने के बाद उनकी राहुल गांधी से यह पहली मुलाकात है। राहुल गांधी से मुलाकात करने के बाद बाहर निकले सीएम नीतीश ने पत्रकारों से कोई बात नहीं की।

दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से उनके घर पर मुलाकात की। इस दौरान लालू यादव के साथ उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद थीं।

सीएम नीतीश ने कहा कि मैंने लालू यादव से बात की है। मैं दिल्ली के दौरे पर जाउंगा, जहां मैं अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से मुलाकात करूंगा। इसके साथ ही राहुल गांधी से भी शाम को मुलाकात करूंगा।

गौरतलब है कि इससे पहले जदयू की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषदक की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि 2017 में महागठबंधन छोड़कर एनडीए में जाना उनकी मूर्खता थी।

यही नहीं इसके साथ ही नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि वह अब भाजपा के किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं करेंगे। सीएम नीतीश ने कहा कि भाजपा नेता उनकी बात को नहीं सुनते हैं और ना ही बात करते थे। उन्होंने कहा कि हम जब एनडीए के साथ थे तो भाजपा हमे हाशिए पर लाने के सारे प्रयास कर रही थी।

झारखंड में हेमंत सोरेन से हटा राजनीतिक संकट, विधानसभा में जीता विश्वास मत

रांची, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में एक बार फिर विश्वास मत हासिल किया है।

82 सदस्यीय सदन में विश्वास मत प्रस्ताव पर सरकार के पक्ष में 48 मत पड़े, जबकि भाजपा और आजसू पार्टी के सदस्यों ने मत विभाजन के समय सदन का बहिष्कार कर दिया। इसके साथ ही स्पीकर ने विधानसभा के विशेष सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा की साजिशों का जवाब देने, लोकतंत्र को बचाने और राज्य की सवा तीन करोड़ जनता को संदेश देने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है।

उन्होंने कहा जब से उनकी सरकार ने शपथ ली है, तभी से भाजपा दूसरी पार्टी के विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिशों मे जुटी है। सीएम ने विश्वास प्रस्ताव पर अपने भाषण के दौरान झारखंड के राज्यपाल और चुनाव आयोग पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य के यूपीए नेताओं ने जब चुनाव आयोग से आये पत्र पर स्थिति साफ करने का आग्रह किया तो उन्होंने एक-दो दिनों में निर्णय लेने की बात कही, लेकिन इसके अगले ही दिन पिछले दरवाजे से दिल्ली निकल गये।

उन्होंने झारखंड विधानसभा के भाजपा विधायक समरी लाल के बारे में कहा कि वह फर्जी सर्टिफिकेट पर विधान बनकर बैठे हुए हैं, लेकिन उसपर चुनाव आयोग कोई कार्रवाई नहीं करता है। सोरेन ने कहा कि उन्हें डराने-धमकाने का कोई प्रयास सफल नहीं होगा। सभी विपक्ष देख लें कि हम सभी साथ हैं। अगली बार बीजेपी राज्य कि किसी सीट पर अपनी जमानत भी नहीं बचा पाएगी।

सोरेन ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाले ये लोग सिर्फ व्यापारी हैं। गरीबों के लिए इनके पास पैसा नहीं है। गैर बीजेपी राज्यों में सरकार को किसी भी तरह अस्थिर करने का काम हो रहा है।

हिंदू-मुस्लिम का नारा देकर जनता को सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान भाजपा सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। इसके पूर्व भाजपा की ओर से बोलते हुए नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि इस सरकार को अपने ही लोगों पर विश्वास नहीं है, इसलिए इन्होंने यह प्रस्ताव लाया है।

लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की सभी 40 सीटों में महागठबंधन की होगी जीत, ललन सिंह का दावा

पटना, 05 सितम्बर (का.सं.)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि 2024 लोकसभा के चुनाव में बिहार की सभी 40 सीटों पर महागठबंधन की जीत होगी। 75 प्रतिशत लोगों का वोट महागठबंधन के साथ है। वर्ष 2014 में भाजपा की जीत के बाद 2015 में बिहार में उनकी करारी हार हुई थी। प्रधानमंत्री 42 सभाएं कर 53 सीट जीते थे। इस बार फिर बिहार ही नरेंद्र मोदी को रोकेगा।

ललन सिंह रविवार को जदयू के राष्ट्रीय परिषद की बैठक के बाद पार्टी कार्यालय परिसर में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पत्रकारों के सवाल पर श्री सिंह ने कहा कि भाजपा ने लोकसभा में दो संख्या से शुरुआत की थी। 2024 के चुनाव में वह अपने इसी संख्या पर फिर पहुंच जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे बिहार के सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करेंगे पर, हमलोग पहले से सतर्क हैं। अभी उनलोगों की दाल गलने वाली नहीं है। यहां पर हमलोग सांप्रदायिक सदभाव बिगड़ने नहीं देंगे।

चुनाव में धार्मिक चिह्न के इस्तेमाल के खिलाफ आयोग को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें उन राजनीतिक दलों को आवंटित चुनाव चिह्न और नाम को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जो चिह्न में धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं या उनके प्रतीक धार्मिक अर्थ रखते हैं।

सैयद वसीम रिजवी द्वारा अधिवक्ता अभिकल्प प्रताप सिंह के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि याचिका जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) 1951 और संविधान के जनादेश से संबंधित है और इसे अधिनियम की धारा 29ए, 123 (3) और 123 (3ए) के तहत देखा जा सकता है।

याचिका में संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आरपीए की धारा 123 के तहत मतदाताओं को लुभाने के लिए धर्म का इस्तेमाल करना सख्त मना है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ के समक्ष दलील दी कि दो पक्ष जो मान्यता प्राप्त राज्य पक्ष हैं, उनके नाम में 'मुस्लिम' शब्द है, और कुछ दलों के आधिकारिक प्रतीकों और झंडे में अर्धचंद्र और सितारे हैं। इनके धार्मिक अर्थ हैं।

भाटिया ने कहा कि उदाहरण के लिए इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा में सांसद हैं और केरल में विधायक हैं। उन्होंने कहा, 'यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। हमें यह देखने की जरूरत है कि क्या हम राजनीति को प्रदूषित कर सकते हैं?' पीठ ने आरपीए की धारा 123 का हवाला देते हुए पूछा कि क्या यह प्रतिबंध राजनीतिक दलों पर लागू होगा, क्योंकि यह उम्मीदवार को संदर्भित करता है। भाटिया ने कहा कि यदि किसी धार्मिक नाम वाली पार्टी का उम्मीदवार वोट मांगता है, तो वह उम्मीदवार आरपीए और धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन करेगा।

मामले में दलीलें सुनने के बाद पीठ ने आयोग और कानून और न्याय मंत्रालय के सचिव को नोटिस जारी किया।

नहीं मिले शिक्षामंत्री, अभ्यर्थियों से हुई पुलिस की झड़प

पटना, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। बिहार में शिक्षक भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन चल रहा है। सोमवार को अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच फिर से झड़प हो गयी। दरअसल प्रदर्शन कर रहे छात्र शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर से मिलना चाहते थे। पुलिस ने छात्रों को रोक कर उन्हें विकास भवन से धक्का देकर बाहर कर दिया। अभ्यर्थी शुक्षक भर्ती के सातवें चरण की प्रक्रिया शुरू करने कि मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने महागठबंधन सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विरोध कर रहे अभ्यर्थियों ने तेजस्वी यादव के साथ-साथ शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के खिलाफ भी नारेबाजी की।

विरोध प्रदर्शन पर अड़े छात्रों ने कहा कि जब राजद सरकार में नहीं थी तब चंद्रशेखर और तेजस्वी कहते रहते थे कि हमारी सरकार आते ही प्रक्रिया शुरू की जायेगी। लेकिन सरकार आने के बाद से चंद्रशेखर और तेजस्वी दोनों इस बाबत कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं।

अभ्यर्थियों ने कहा कि तेजस्वी ने कहा था कि पहली कैबिनेट मीटिंग में ही इसका निर्णय लिया जाएगा ,लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है न ही प्रक्रिया की शुरुआत की गयी है। अभ्यर्थियों ने शिक्षक दिवस तक का अल्टीमेटम सरकार को दिया था पर आज भी शिक्षक दिवस पर कोई एलान नहीं हुआ। इसीलिए अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर से मिलने पहुंचे थे लेकिन वहां पर उनकी किसी ने सुनी तक नहीं। ऊपर से पुलिस ने झड़प शुरू कर दी।

विवाह साबित करने के लिए आर्य समाज का प्रमाणपत्र नाकाफी: हाईकोर्ट

प्रयागराज, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि आर्य समाज मंदिर से जारी विवाह प्रमाणपत्र, शादी को प्रमाणित करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि आर्य समाज संस्था विवाह कराने की अपनी मान्यता का दुरुपयोग कर रही है।

हाईकोर्ट में ऐसे प्रमाण पत्रों की बाढ़ है, जो आर्य समाज मंदिर से जारी किए गए हैं। दस्तावेजों की प्रमाणिकता पर विचार किए बगैर सिर्फ इस प्रमाण पत्र के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि दोनों पक्षों में विवाह हुआ है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने भोला सिंह की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि बंदी प्रत्यक्षीकरण विशेषाधिकार प्राप्त रिट है और असाधारण उपाय है। इसे एक अधिकार के रूप में जारी नहीं किया जा सकता। इसे केवल उचित आधार पर या संभावना दिखाई जाती है, तब ही जारी किया जा सकता है।

याची ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में आरोप लगाया कि उसकी पत्नी अपने घर में बंधक है। उन दोनों ने अपनी मर्जी से विवाह किया है।

कानूनी रूप से विवाहित साबित करने के लिए याचियों के वकील ने आर्य समाज मंदिर गाजियाबाद से जारी एक प्रमाण पत्र और विवाह के पंजीकरण के प्रमाण पत्र के साथ कुछ तस्वीरें पेश कीं।

कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट में विभिन्न आर्य समाज समितियों से जारी विवाह प्रमाणपत्रों की बाढ़ आ गई है, जिन पर इस न्यायालय के साथ अन्य उच्च न्यायालयों के समक्ष विभिन्न कार्यवाही के दौरान गंभीरता से पूछताछ की गई है।

आर्य समाज संस्था ने दस्तावेजों की वास्तविकता पर विचार किए बिना विवाह आयोजित करने में अपने विश्वास का दुरुपयोग किया है और विवाह पंजीकृत नहीं किया गया है, इसलिए केवल उक्त प्रमाण पत्र के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि पक्षकारों ने शादी कर ली है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचियों के पास वैकल्पिक उपचार उपलब्ध है इसलिए यह याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती।

समाज निर्माण में .....

हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से राज्यपाल ने राज्य के विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों के 27 शिक्षकों एवं 18 प्रिंसिपलों को सम्मानित किया। वहीं विश्वविद्यालय के चार शिक्षकों एवं गैर-शिक्षक कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। वहीं इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा राज्यपाल गंगा प्रसाद को भी लाइफ टाइम एचिवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

भाजपा ने शराब घोटाले में 'स्टिंग ऑपरेशन' का वीडियो किया जारी, केजरीवाल, सिसोदिया पर लगाया कमीशन लेने का आरोप

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। भाजपा ने दिल्ली में शराब घोटाले के आरोपी सन्नी मारवाह के पिता कुलविंदर मारवाह के स्टिंग का वीडियो जारी करते हुए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर कमीशन का मोटा पैसा लेने का आरोप लगाया है।

स्टिंग ऑपरेशन के एक वीडियो को जारी करते हुए भाजपा ने यह दावा किया कि आने वाले दिनों में इस तरह के कई वीडियो सामने आएंगे। भाजपा मुख्यालय में स्टिंग ऑपरेशन के इस वीडियो को जारी करते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि शराब घोटाले में सीबीआई के आरोपी नंबर 13 सन्नी मारवाह के पिता कुलविंदर मारवाह इस स्टिंग वीडियो में यह साफ-साफ कहते नजर आ रहे हैं कि कमीशन का पैसा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को दिया गया। पात्रा ने आरोप लगाया कि इस घोटाले में मोटा माल केजरीवाल और सिसोदिया ने कमाया है।

पात्रा ने कहा कि हम लगातार केजरीवाल और सिसोदिया से यह सवाल पूछ रहे थे कि ठेकेदारों को मिलने वाले कमीशन को 2 से 12 प्रतिशत क्यों कर दिया? बिना कैबिनेट की मंजूरी के अपने चहेते ठेकेदारों के 144 करोड़ रुपये क्यों माफ किए? ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को ठेका क्यों दिया गया? उनकी तरफ से इन सवालों का कोई जवाब नहीं आया लेकिन स्टिंग मास्टर (केजरीवाल) के इस स्टिंग से यह साबित हो गया कि जो लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की शपथ खाकर आए थे वो आज कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी के रूप में सामने आए हैं और यह भी सच साबित हो गया कि यह बेवड़ी सरकार है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस स्टिंग वीडियो से यह भी साफ नजर आ रहा है कि किस प्रकार लोग मोटी दलाली देने के लिए केजरीवाल और सिसोदिया के पास जाते थे और मोटा कमीशन लेकर इन लोगों ने अपने मुनाफे के लिए और दिल्ली को नुकसान में ढकेलने के लिए नई आबकारी नीति लेकर आए।

इस स्टिंग का हवाला देते हुए पात्रा ने कहा कि नई शराब नीति से जो लूट मची हुई थी उसका आज खुलासा हो गया है। 80 प्रतिशत फायदे की राशि को दिल्ली की जनता की जेब से निकाल कर मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने दलाली के माध्यम से अपनी जेब में डाला।

ठेकेदारों से कमीशन लेने के बाद केजरीवाल और सिसोदिया ने अपने मित्रों को खुली छूट दे दी कि उन्हें दिल्ली की जनता के साथ जो करना है करें। ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को बुला-बुला कर ठेके दिए गए। पूरे मामले में व्हाइट मनी को ब्लैक मनी में कन्वर्ट कर केजरीवाल और सिसोदिया तक पैसा पहुंचाया जाता था।

पात्रा ने शराब के ठेके लेने वाले अन्य कारोबारियों से भी सामने आकर बिना डरे वीडियो जारी करने का भी आह्वान किया।

भाजपा मुख्यालय में स्टिंग ऑपरेशन दिखाने के बाद आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए दिल्ली से लोक सभा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल सरकार से जितने सवाल हम पूछते थे, उन सभी सवालों के जवाब इस स्टिंग ऑपरेशन के जरिए मिल गया है और आज ये भी साफ हो गया है कि जो रेवेन्यू दिल्ली सरकार को आता था वो क्यों शराब व्यापारियों को दिया जाता था, क्योंकि यह पैसा भ्रष्टाचार के जरिए घुमकर इन्ही की जेब में जाता था।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR SUN MONDAY

WEEKLY LOTTERY
Draw No:93 DrawDate on:05/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88L 95580
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 95580 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02006 12089 19231 37248 47916 81753 89883 97936 98418 99380
3rd Prize ₹450/-
0275 0690 1899 4318 5194 5853 6431 6472 8268 9988
4th Prize ₹250/-
0173 1137 1506 4052 5238 6083 6380 6558 7763 9165
5th Prize ₹120/-
0117 0151 0153 0196 0361 0462 0519 0584 0616 0748
1474 1552 1798 1835 1858 1975 2152 2256 2319 2521
2794 2864 2950 2976 3003 3079 3288 3786 3946 3973
3993 3995 4131 4239 4325 4339 4370 4439 4518 4594
4635 4636 4692 4741 4766 4777 4876 4905 4980 5044
5073 5384 5414 5774 5827 5878 6128 6144 6304 6327
6357 6381 6402 6473 6819 6926 6958 6983 7156 7306
7325 7555 7592 7665 7718 7744 7757 7978 8047 8127
8209 8328 8342 8386 8753 8759 8795 8942 9005 9034
9238 9263 9308 9592 9655 9853 9864 9895 9941 9979

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR GANGA MORNING

MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:93 DrawDate on:05/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 53J 05617
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 05617 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03685 06120 16350 18671 31025 43993 64162 68519 87713 97161
3rd Prize ₹450/-
1144 1595 3028 3387 4279 5303 5742 7105 7939 9282
4th Prize ₹250/-
0232 1045 2708 3850 3894 4555 4955 5537 7145 8439
5th Prize ₹120/-
0006 0021 0026 0083 0344 0381 0407 0463 0511 0636
0679 0986 1071 1308 1584 1786 2013 2073 2142 2229
2334 2366 2528 2561 2670 2983 3068 3200 3215 3250
3297 3457 3499 3501 3652 3675 3825 4059 4120 4132
4137 4202 4300 4329 4664 4727 4842 4856 4871 5007
5161 5242 5455 5574 5656 5708 5890 5953 5968 5972
5978 6026 6032 6046 6085 6173 6259 6300 6303 6384
6683 6791 6826 6921 6958 6961 7023 7062 7636 7671
7926 7978 8031 8064 8083 8218 8315 8330 8336 8424
8636 8801 9199 9299 9434 9643 9718 9776 9812 9898

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FLAMINGO EVENING

MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:193 DrawDate on:05/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 37L 49636
(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 49636 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
14034 24259 25951 26702 32394 44786 50288 73379 80916 92342
3rd Prize ₹450/-
0955 1629 2757 3123 3159 3163 6422 6563 8539 8825
4th Prize ₹250/-
1088 1289 1855 2453 3038 3719 4597 4946 6318 7659
5th Prize ₹120/-
0001 0022 0069 0322 0455 0850 0945 0952 1008 1020
1080 1125 1131 1219 1456 1613 1665 1684 1717 1727
1847 1876 1913 2118 2304 2495 2518 2635 2705 2715
2768 2849 2897 2978 3349 3580 3584 3585 3654 3903
3907 3979 4012 4130 4201 4247 4317 4376 4407 4588
4650 4779 4835 5048 5281 5511 5616 5922 5938 5974
6120 6154 6268 6374 6442 6506 6632 6732 6770 6817
6988 7093 7199 7263 7304 7326 7379 7577 7599 7646
7684 7805 7850 8031 8167 8182 8610 8837 8886 8976
9122 9152 9201 9360 9424 9453 9471 9653 9689 9863

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

बदलेगी राजनीति

कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद रविवार को जम्मू में हुई अपनी पहली रैली में गुलाम नबी आजाद ने नई पार्टी बनाने का औपचारिक ऐलान कर दिया। जिस तरह से कांग्रेस के स्थानीय नेताओं का उनके साथ आने का सिलसिला जारी है उससे लगता है कि कम से कम जम्मू-कश्मीर में उनकी इस पहल को उम्मीद भरी नजरों से देखा जा रहा है। हालांकि इसकी एक व्याख्या ऐसे भी की जा सकती है कि गुलाम नबी के कांग्रेस छोड़ने के बाद जम्मू-कश्मीर में उसकी रही-सही ताकत भी खत्म हो गई और इसीलिए पार्टीजनों के एक बड़े हिस्से को कांग्रेस छोड़ने में ही भलाई दिख रही है।

गौर करने की बात है कि पिछले करीब एक हफ्ते में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री, आठ पूर्व मंत्री, एक पूर्व सांसद, नौ पूर्व विधायक सहित बड़ी संख्या में पंचायती राज संस्थानों के सदस्य, नगर निगमों के सदस्य और ग्रासरूट लेवल के कार्यकर्ता कांग्रेस छोड़ चुके हैं। ये सब किसी और पार्टी का रुख नहीं करके गुलाम नबी आजाद से जुड़ रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि ये सब गुलाम नबी की नई पार्टी में संभावनाएं देख रहे हैं। बावजूद इसके, जम्मू-कश्मीर में अगले कुछ महीने के अंदर संभावित चुनावों में इस नई पार्टी के प्रदर्शन को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगा। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि गुलाम नबी आजाद की नई पार्टी की एंट्री ने जम्मू-कश्मीर के समीकरण को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित किया है।

आजाद खुद जम्मू-कश्मीर के हैं और यहां के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं, लेकिन उनका पूरा राजनीतिक जीवन कांग्रेस पार्टी के अंदर और मुख्यधारा की राष्ट्रीय राजनीति करते हुए गुजरा है। जाहिर है कश्मीरी राजनीति के इस या उस धड़े से उनका कोई जुड़ाव नहीं रहा है। बावजूद इसके, पूरे जम्मू-कश्मीर में उनकी पहचान और पहुंच है। यहां के मुख्य राजनीतिक दलों के नेताओं से उनका मैत्रीपूर्ण संवाद है। नई दिल्ली से भी उनका सौहार्दपूर्ण रिश्ता है जो राज्यसभा में प्रधानमंत्री के भावुक भाषण और उन्हें इसी साल मिले पद्मभूषण सम्मान से रेखांकित हो चुका है।

इन सबके अलावा एक खास बात यह भी है कि वह साफ कर चुके हैं, आने वाले चुनावों में बीजेपी से कोई संबंध नहीं रखेंगे। इसका मतलब है कि घाटी में बीजेपी विरोधी और कांग्रेस समर्थक मतदाताओं तक पहुंचने की उनकी राह खुली हुई है। ऐसे में गुलाम नबी आजाद की नई पहल से जम्मू-कश्मीर को एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो असंदिग्ध रूप से भारत समर्थक है, जो जम्मू-कश्मीर की राजनीति की सभी धाराओं से संवाद करने और तालमेल बनाने की स्थिति में है और जिसे केंद्र का भी विश्वास हासिल है। मौजूदा हालात में यह कोई छोटी बात नहीं।

दुनिया में बवंडर चीन पर सरेंडर

उपेन्द्र राय

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के निवर्तमान उच्चायुक्त की रिपोर्ट ने चीन में उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न के मसले को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

45 पन्नों की इस रिपोर्ट में शिनिजयांग प्रांत के दर्जनों उइगर मुसलमानों के साक्षात्कार हैं, जिनके रुह कंपाने वाले विवरण की तुलना मानवता के खिलाफ अपराध से की गई है। साक्षात्कार में पीड़ितों ने बताया है कि कैसे उन्हें कुर्सी से बांध कर डंडों से पीटा गया, पूछताछ के दौरान चेहरे पर पानी फेंका गया, लंबे समय तक एकांत में रखा गया, लगातार निगरानी की गई, नींद और भोजन से वंचित किया गया और अपनी भाषा बोलने या अपने धर्म का पालन करने से रोका गया। कुछ ने बलात्कार, यौन उत्पीड़न और जबरन नग्नता सहित यौन हिंसा की अनगिनत बातें कही हैं। वहीं कई पीड़ितों को इलाज के बारे में बताए बगैर जबरन इंजेक्शन और गोलियां तक दी गई। इतना ही नहीं, हिजाब और असामान्य रूप से बड़ी दाढ़ी रखने, बच्चों को मुस्लिम नाम देने और रमजान के दौरान रेस्तरां बंद रखने पर रोक लगाने के लिए भी उन पर नये नियम थोपे गए।

रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला दावा उइगर मुसलमानों की जन्म दर में बाकी चीन की तुलना में हुई तेज गिरावट का है। इसकी पुष्टि करते हुए कई साक्षात्कारकर्ताओं ने जबरन नसबंदी सहित जबरन बधियाकरण की बात कही है। रिपोर्ट में चीन के कथित निगरानी नेटवर्क का भी विस्तार से वर्णन मिलता है, जिसमें पुलिस डाटाबेस में बायोमेट्रिक डाटा जैसे चेहरे और आंखों के स्कैन के साथ सैकड़ों हजारों फाइलें हैं, जो यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां किस तरह से उइगर मुसलमानों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की हर पल धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

वैसे ये दावे नये नहीं हैं। पांच साल पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने चीन पर 20 लाख उइगर और दूसरे अल्पसंख्यकों को डिटेंशन केंद्रों में रखने का आरोप लगाया था। पिछले साल अमेरिका ने अपनी भाषा सख्त करते हुए उइगर मुसलमानों के दमन और उत्पीड़न को नरसंहार तक बताया था। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट से हुआ खुलासा बताता है कि तमाम सख्ती दिखाने के बावजूद चीन के रवैये में कोई फर्क नहीं आया है। इसके बावजूद यह रिपोर्ट उल्लेखनीय है क्योंकि इस दफा पहली बार आरोपों पर संयुक्त राष्ट्र की औपचारिक मुहर लगी है। इसलिए यह भी पहली बार ही हुआ है कि जुबानी जमाखर्च करने की जगह अपने झूठ पर पर्दा डालने के लिए चीन को 131 पेज की रिपोर्ट जारी करनी पड़ी है। हालांकि यह भी सच है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का कोई कानूनी आधार नहीं है, इसलिए चीन के रु ख में रत्ती भर भी बदलाव की उम्मीद करना बेवकूफी ही होगी।

बहरहाल, दूसरी तरफ दो बातें उम्मीद के अनुसार ही हुई हैं। पहली, अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने इस रिपोर्ट का स्वागत किया है; और दूसरी, मुस्लिम आबादी पर जुल्म और सितम के इतने बड़े खुलासे के बावजूद इस्लामी देशों में सन्नाटा ही पसरा दिखाई दे रहा है। ये वही देश हैं, जो दुनिया के किसी भी कोने में इस्लाम से जुड़े मसलों पर बवंडर खड़ा कर देते हैं, लेकिन चीन के मामले में सरेंडर कर देते हैं। पैगंबर मोहम्मद के कार्टून के विरोध में फ्रांस में अखबार के दफ्तर पर हमले से लेकर भारत में पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी पर सर तन से जुदा का फतवा जारी करने वाले तमाम मुस्लिम देशों की चीन की इस हरकत पर बोलती बंद है। इस्लामी देशों का अगुआ माना जाने वाला सऊदी अरब हो या पाकिस्तान या फिर मलयेशिया, सभी देश खामोश हैं। ईरान तो पहले ही उइगरों के दमन को इस्लाम की सेवा बता चुका है। इस्लामी देशों के दोहरे मापदंडों का हाल यह है कि विरोध जताना तो दूर, अगर कोई उइगर मुसलमान किसी तरह चीन से निकल कर इन देशों में पहुंच भी जाता है, तो ये देश उसे वापस चीन को सौंपने के लिए उतावले हो जाते हैं। इस मामले में मिस्र, सऊदी अरब, यूएई सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट बताती है कि 2017 के बाद से अकेला मिस्र ही 200 उइगर मुसलमानों को चीन को सौंप चुका है। जब पश्चिमी देश शिनिजयांग में उइगर मुसलमानों के कथित दमन का मामला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में ले गए, तो चीन के साथ खड़े होने वाले 37 देशों में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, अल्जीरिया, बहरीन, तुर्कमेनिस्तान, ओमान, कतर, सीरिया, कुवैत, सोमालिया, सूडान जैसे अधिकतर मुस्लिम देश शामिल थे।

दरअसल, खामोशी के इस पूरे खेल के पीछे एक बड़ा अर्थतंत्र काम कर रहा है, और इस अर्थतंत्र को चलायमान रखने का काम कर रहा है चीन का महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव। दुनिया भर में अपने उत्पादों के विस्तार में जुटे चीन का यह प्रोजेक्ट एशिया, अफ्रीका, यूरोप और ओशिनिया के 78 देशों को रेलमार्ग, शिपिंग लेन और अन्य नेटवर्क के माध्यम से जोड़ता है।

इसमें मध्य-पूर्व के कई मुस्लिम देश शामिल हैं। इसके अलावा भी चीन ने 50 मुस्लिम देशों में बड़े पैमाने पर निवेश किया हुआ है। अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट एंड द हेरिटेज फाउंडेशन के आंकड़े बताते हैं कि 2005 से लेकर 2020 के बीच के 15 वर्षों में चीन ने सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया, मलयेशिया, नाइजीरिया, अल्जीरिया, कजाकिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान, मिस्र और तुर्की में कुल 421.59 अरब डॉलर के निवेश या करार किए। सऊदी अरब, ईरान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलयेशिया और मिस्र के साथ भविष्य के उसके करार को इसमें जोड़ दिया जाए तो आंकड़ा 1.3 ट्रिलियन डॉलर को भी पार कर जाता है। मतलब यह कि चीन अब इन मुस्लिम देशों का नया अमेरिका बन चुका है। कोरोना काल में यह दोस्ताना और भी गहरा हुआ है। अपना प्रभाव कायम करने के लिए चीन ने शुरु आत में मुस्लिम देशों को वैक्सीन की 1.5 अरब डोज मुफ्त में दीं, लेकिन चीन के चरित्र को करीब से जानने वालों को पता है कि चीन मुफ्त में कुछ भी नहीं करता। चीन अगर एक हाथ से कुछ देता है, तो दोनों हाथों से उसे वापस भी वसूलता है। इस बात को सच साबित करते हुए चीन अब सऊदी से तेल का व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय युआन में करने की योजना बना रहा है। सार यही है कि चीनी सिक्कों की खनक के आगे मुस्लिम देशों की हनक धरी-की-धरी गई है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनकी बोलती ही बंद हो गई है।

बहरहाल, रिपोर्ट रोकने की चीन की तमाम कोशिशों के बाद भी अब जब उसका कच्चा चिट्ठा दुनिया के सामने आ चुका है, तो अब उसे सबक सिखाने की कवायद भी शुरू हो गई है। मुस्लिम देशों को आर्थिक गुलाम बना चुके चीन को आर्थिक चोट पहुंचाने के लिए अमेरिका सक्रिय हो गया है।

बाइडेन प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जी-7 देशों के साथ मिलकर इस संभावना को तलाशा जा रहा है कि किस तरह बंधुआ मजदूर बनाकर उइगर मुसलमानों द्वारा तैयार किए गए चीन के उत्पादों को व्यापार से अलग किया जाए। आने वाले दिनों में इस आर्थिक स्ट्राइक का दायरा और व्यापक बनाया जा सकता है।

कोरोनाकाल में अपनी आर्थिक धाक और वैश्विक साख, दोनों गंवा चुके चीन के लिए यह किसी आघात से कम नहीं होगा।

कलह में उलझी कांग्रेस, कौन होगा अगला अध्यक्ष

नीरजा चौधरी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आखिरकार 22 साल के अंतराल के बाद पार्टी अध्यक्ष का चुनाव कराने जा रही है। पिछली बार वर्ष 2000 में जितेंद्र प्रसाद ने सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा था और हार गए थे। जैसी कांग्रेस की संरचना है, उसे देखते हुए यह तय है कि आधिकारिक उम्मीदवार की ही जीत होगी। हाल ही में गुलाम नबी आजाद ने सोनिया गांधी को लिखे एक खुले कटु पत्र में कांग्रेस पार्टी को आईना दिखाया है। हो सकता है कि उन्होंने पार्टी को अध्यक्ष चुनाव के लिए बाध्य किया हो, अन्यथा यह स्थगित भी हो सकता था, जैसा कि पिछले सवा तीन वर्षों से होता रहा है।

हालांकि आधिकारिक उम्मीदवार कौन होगा, इस पर अब तक कोई सहमति नहीं है। अशोक गहलोत इस दौड़ में प्रमुख उम्मीदवार नजर आ रहे हैं, पर वह राजस्थान छोड़ने के प्रति अनिच्छुक रहे हैं। वह जोर दे रहे हैं कि उनका उम्मीदवार (सचिन पायलट नहीं) राजस्थान का नया मुख्यमंत्री बने। लेकिन दिल्ली में गहलोत और जयपुर में पायलट कांग्रेस के लिए बेहतर होगा। पुराने नेता गहलोत के पास मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी और प्रशासन को संभालने का अनुभव है, वह कांग्रेस और देश को समझने वाले ओबीसी नेता हैं, जिन्हें पार्टी के असंतुष्ट नेता भी स्वीकार करेंगे और गांधी परिवार के वह विश्वासपात्र हैं। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस न तो गांधी परिवार के बिना और न ही उसके साथ रह सकती है। नए चेहरे के रूप में राजस्थान में पायलट पार्टी में एक नई ऊर्जा का संचार करेंगे और वर्ष 2023 के चुनाव में पार्टी विरोधी रुझानों का मुकाबला करेंगे।

हालांकि हाल के वर्षों में कई कांग्रेसी पार्टी छोड़ते रहे हैं, लेकिन गुलाम नबी आजाद का इस्तीफा और सोनिया गांधी को लिखा गया उनका पत्र हाल के अन्य नेताओं के पार्टी छोड़ने से अलग है। निस्संदेह अन्य नेताओं के पार्टी छोड़ने से भी कांग्रेस कमजोर हुई है। कभी कांग्रेसी रहे असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा ने दिखा दिया कि अगर उन्हें आधा भी मौका दिया जाता, तो वह क्या करने में सक्षम थे। पर कांग्रेस ने उनकी क्षमता का वैसा उपयोग नहीं किया, जैसा भाजपा ने किया। राहुल के करीबी रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने साथ 22 विधायकों को लेकर कांग्रेस से निकले, उनमें से ज्यादातर फिर से चुनाव जीतने में सफल रहे, जो क्षेत्र में सिंधिया की पकड़ को दर्शाता है। उन्होंने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिरा दी, जो कांग्रेस के लिए दूसरा नुकसान थी।

आज जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ लोग मोदी के बाद की भाजपा में नेतृत्व की बात करते हैं, तो योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फड़णवीस के अलावा वे हिमंत विस्वा सरमा और सिंधिया की भी बात करते हैं, हालांकि दोनों बाहरी हैं। जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह, कपिल सिब्बल जैसे अन्य कई नेता कांग्रेस छोड़कर चले गए। यदि सच कहा जाए, तो ये सभी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व और निर्णय लेने की शैली के कारण पार्टी छोड़कर गए, जिसमें पहुंच की कमी और एक छोटी-सी मंडली में उनका घिरे रहना शामिल है। लेकिन यह भी तथ्य है कि उन्हें कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आया। सबसे महत्वपूर्ण बात कि कांग्रेस का भी कोई भविष्य नजर नहीं आता और राहुल के नेतृत्व में पार्टी के फिर से जी उठने की कोई उम्मीद नहीं है।

गुलाम नबी आजाद ने पार्टी में एक संघर्ष रेखा खींच दी है, जैसा कि हाल में किसी नेता के बाहर निकलने पर नहीं हुआ। उन्होंने राहुल को 'बचकाना' व 'अपरिपक्व' और सोनिया गांधी को केवल 'सांकेतिक चेहरा' बताते हुए चोट पहुंचाने में कामयाबी हासिल की है। इंदिरा गांधी के समय से पार्टी के विभिन्न पदों पर रहने के कारण संगठन में उनके गहरे संबंध हैं। वह अपनी पार्टी बनाने के लिए तैयार हैं और जम्मू-कश्मीर में आधे दर्जन विधायक उनसे पहले से ही जुड़ चुके हैं। संभावना है कि वह राज्य में मुख्यमंत्री पद की दावेदारी जताएंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि ऐसा वह कर पाते हैं (नेशनल कॉन्फ्रेंस और संभवत: भाजपा के समर्थन से) या नहीं।

क्या वह कांग्रेस पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे या समानांतर कांग्रेस खड़ा करने में सफल होंगे? और यदि वह ऐसा प्रयास करते हैं, तो क्या वास्तव में सफल हो सकते हैं? इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगा और यह दूर की कौड़ी है। लेकिन निश्चित रूप से वह कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाएंगे और कमजोर करेंगे। उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से ठीक पहले सोच-समझकर पार्टी छोड़ी है और पत्र लिखा है। भले ही कांग्रेस अब अपने पूर्णकालिक अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव को आगे बढ़ा रही है, लेकिन आजाद एवं अन्य नेता पूरी चुनावी प्रक्रिया की वैधता का सवाल उठा रहे हैं। यह संभव है कि राहुल की यात्रा के दौरान अन्य लोग पार्टी छोड़ दें, ताकि उन्हें अध्यक्ष न बनाया जाए। यह कोई रहस्य नहीं है कि कांग्रेस में (दूसरी पार्टियों में भी) मतदाता सूची तय है और गुलाम नबी आजाद अतीत में इस प्रणाली के समर्थक थे।

कांग्रेस में खींचतान जारी है। क्या यह पार्टी को एक विस्फोट (यदि 2024 में पार्टी खराब प्रदर्शन करती है) या विघटन (दूसरे अस्थायी क्षेत्रीय दलों के साथ) की ओर ले जाएगी या और लोगों के पार्टी छोड़ने के साथ क्षरण जारी रहेगा-यह देखा जाना बाकी है। लेकिन पार्टी में लड़ाई कुछ ज्यादा ही खुलकर सामने आ गई है। फिर भी चुनाव प्रक्रिया में मौजूद खामियों के बावजूद कांग्रेस ने एक स्वागत योग्य कदम उठाया है। गांधी परिवार के सामने सबसे पहली चुनौती यह स्थापित करने की होगी कि नया अध्यक्ष (चाहे वह कोई भी हो) गांधी परिवार का रबर स्टांप न हो, भले ही उसे परिवार के साथ मिलकर काम करना होगा। दूसरी चुनौती जमीनी स्तर से संगठन का पुनर्निर्माण करने की होगी, चाहे इसमें जितना भी समय लगे।

तीसरी चुनौती भाजपा के हिन्दुत्व, राष्ट्रवाद, मजबूत नेता, सामाजिक कल्याण, ओबीसी के साथ गरीबों की पार्टी जैसे आख्यान का मुकाबला करने के लिए एक नया आख्यान गढ़ने की होगी और यह एक नई भाषा में होना चाहिए, जो युवा भारत को प्रतिध्वनित करे। और अंत में, अपनी इच्छा थोपने की कोशिश किए बिना विपक्षी एकजुटता बनाने के लिए अन्य विपक्षी दलों तक पहुंचना होगा। जो कोई भी अध्यक्ष बनेगा, उसके लिए ये सब चुनौतियां होंगी।

देवभूमि पर भी माफिया का साया

जयसिंह रावत

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के बहुचर्चित पेपर लीक घोटाले के खुलासे के बाद राज्य में जिस पत्थर को पलटो, उसके नीचे नया भर्ती घोटाला नजर आ रहा है।

यहां तक कि प्रदेश के सुशासन के लिए विधान बनाने वाली विधानसभा भी भर्ती घोटालों से अछूती नहीं रह गई। यहां नियम-कायदों को ताक पर रख कर अपने-अपनों को रेवड़ियां बांटी गई।

अवसरों की इस लूट का लाभ बिहार के रिश्तेदरों ने तक उठाया। अब आप स्वयं ही कल्पना कर सकते हैं कि जो लोग भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की सीढ़ियां चढ़ कर प्रदेश की नौकरशाही में पहुंचे होंगे; वे कितनी ईमानदारी से काम कर रहे होंगे। जो कर्मचारी तृतीय श्रेणी के पद को भी 15 लाख में खरीदेगा, उससे ईमानदारी और निष्ठा की अपेक्षा कैसे की जाएगी? उत्तराखण्ड में बेरोजगारी निरंतर बढ़ रही है और रोजगार के जो थोड़े-बहुत अवसर पैदा हो भी रहे हैं वे आम लोगों तक पहुंचने से पहले ही गायब हो रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 16 में कहा गया है कि भारत क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी नागरिक के बीच कोई भी सरकारी नौकरी अर्थात लोक सेवाओं में किसी प्रकार का ऐसा भेदभाव नहीं किया जाएगा, जिसका आधार धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान, निवास इनमें से किसी भी कोई एक कारण में हो।

हमारे संविधान का यह अनुच्छेद समानता की गारंटी तो देता है, लेकिन उत्तराखण्ड में इस गारंटी की भी धज्जियां उड़ रही हैं। न केवल आम आदमी के नौनिहालों के रोजगार के अवसर उनसे छीने जा रहे हैं अपितु संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार का भी हनन हो रहा है। खेद का विषय तो यह है कि जिन लोगों को आम लोगों की पैरवी करनी थी और उनके हकों की रक्षा करनी थी उन पर ही अपने-अपनों को रेवड़ियां बांटने के खुलासे हो रहे हैं। राज्य के मंत्रियों द्वारा अपने चहेतों को सीधे नौकरियां देने के आदेश पब्लिक डोमेन में दिखाई दे रहे हैं। बिहार के मूल निवासी एक मंत्री ने बिहार में रहने वाले अपने दो चेचेरे भाइयों, एक भांजे तथा एक रिश्ते के दामाद को उत्तराखण्ड में नौकरियां दिला दीं। उसी मंत्री द्वारा उत्तराखण्ड में रह रहे तीन भतीजों और एक चचेरे भाई को भी नौकरियां दीं।

भले ही विधानसभा के एक अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में 129 लोगों की बिना विज्ञप्ति के सीधी भर्ती को जायज ठहरा दिया, मगर एक अन्य ने स्वीकार कर लिया कि उन्होंने अपने पुत्र और पुत्रवधू को अवश्य नौकरियां दी हैं, जिसके लिए उन्होंने प्रदेश की जनता से क्षमा भी मांग ली। तर्क दिया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष को प्रदेश की विधायिका का प्रमुख होने के नाते विधानसभा के मामलों में व्यापक अधिकार है। इसलिए अब तक गठित पांच में से चार विधानसभा और एक अंतरिम विधानसभा के कार्यकाल में व्यापक अधिकारों का व्यापक दुरु पयोग हुआ है।

अधिकार और कर्तव्य एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। प्राधिकारी जितना बड़ा होता है उसकी नागरिकों के प्रति उतनी ही अधिक जिम्मेदारी होती है। हालात को देख कर प्रतीत होता है कि घोटाला शब्द उत्तराखण्ड राज्य की जन्म कुंडली में ही लिखा हुआ है। राज्य बनते ही राजधानी निर्माण का घोटाला सुर्खियों में रहा। जब पहली निर्वाचित सरकार बनी तो पटवारी भर्ती घोटाले ने पौड़ी के जिलाधिकारी की नौकरी ही खा ली थी। उनकी नौकरी कोर्ट से बच पाई।

उसके बाद बहुचर्चित दरोगा भर्ती घोटाला हुआ, जिसमें तत्कालीन पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त महानिदेशक पर मुकदमा चला। भर्तियों के अलावा हुए घोटालों की संख्या सैकड़ों में राजनीतिक दलों ने गिनाई। अब विधानसभा की बैकडोर भर्तियों में भी दलगत राजनीति से उठकर एक-दूसरे का बचाव किया जा रहा है, जबकि विकास के मामलों में दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर सहयोग होना चाहिए। सन 1993 में तत्कालीन गृह सचिव एनएन वोहरा कमेटी की रिपोर्ट में राजनेता, नौकरशाह और माफिया तंत्र के गठजोड़ का खुलासा हुआ था। उत्तराखण्ड में यह गठजोड़ राज्य गठन के समय से सक्रिय है, जिसका सबसे पहले खुलासा पहले मुख्यमंत्री नित्यानंद स्वामी ने विधानसभा में किया था।

अधीनस्थ चयन सेवा आयोग का पेपर लीक प्रकरण भी उसी गठजोड़ का नतीजा है। माफिया के फोटो राजनेताओं के साथ छपते रहे हैं। कुछ महीने पहले ही हरिद्वार और नोएडा में राज्य के नेताओं और नौकरशाहों के रिश्तेदारों के माफिया के साथ मिलकर किए जमीन घाटोले सार्वजनिक हुए थे। घोटालों के इस माहौल में राज्य को लोकायुक्त की सख्त जरूरत है, लेकिन उत्तराखण्ड का लोकायुक्त विधानसभा में पिछले 4 सालों से लंबित पड़ा है। लोकायुक्त बिल पास कराने के बजाय समान नागरिक संहिता पर काम चल रहा है। ऐसे महौल में हताश जनता का राजनीतिक तंत्र से विश्वास उठना स्वाभाविक ही है। इसलिए सरकार को उस खोये भरोसे को पुन: हासिल करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

युद्धग्रस्त यूक्रेन में लाखों लोग बिना बिजली-गैस कर रहे गुजारा

कीव । रूस-यूक्रेन युद्ध शुरु हुए 6 महीने पूरे हो चुके हैं। युद्ध के कारण प्राकृतिक-आर्थिक रूप से बर्बादी भी देखी जा रही है। रूस की मिसाइलों ने यूक्रेन में ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी है, जहां तबाही न मचाई हो। इस तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पश्चिमी देशों ने भी रूस पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, तो रूस ने भी अपनी ओर से कार्रवाई करते हुए यूरोपीय देशों में सप्लाई होने वाली प्राकृतिक गैसों पर 60 प्रतिशत तक कटौती कर दी है। इसके बाद से यूरोप में प्राकृतिक गैसों की आपूर्ति का संकट पैदा हो गया है। रूस के इस कदम से पूरा यूरोप एक भारी संकट में फंस गया दिखाई दे रहा है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने भी अपने बयान में कहा है कि यूक्रेन भी इस संकट का सामना कर रहा है। आकड़ा शेयर कर बताया गया है कि 6,00,000 से अधिक यूक्रेनियन बिजली के बिना रह रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण 2,35,700 यूक्रेनियन भी बिना गैस के रह रहे हैं। संकट से निपटने के लिए कई यूरोपीय देश रूस की जगह सेनेगल और मौरीतानिया से गैस खरीदने की कोशिश में जुटे हैं। जर्मनी के चांसलर ओलफ स्कोल्ज ने मई में सेनेगल का दौरा किया था। उन्होंने प्राकृतिक गैस के संकट का जिक्र किया ताकि सेनेगल मदद करे। यूरोपीय देशों में गैस की सप्लाई करने में सेनेगल और मौरीतानिया एक बेहतर देश साबित हो सकते हैं। सेनेगल लिक्विड गैस निकालने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर रहा है। उम्मीद है कि इन दोनों देशों से यूरोपीय देशों में एलएनजी यानी लिक्वीफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति जल्द ही शुरू हो सकती है। दोनों देशों का युद्ध सिर्फ इन्हे ही नहीं बर्बाद कर रहा बल्कि पूरी दुनिया में इसका असर देखने को मिल रहा है। जब से रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला है, तब से यूक्रेन से भी खाद्य पदार्थो की सप्लाई बंद हो गई है। यूक्रेन के गोदामों में लाखों टन अनाज बंद पड़े थे ऐसे में कई देश भुखमरी जैसे गंभीर समस्या से जूझ रहे थे, लेकिन एक राहत की खबर तब आई जब यूक्रेनी अनाज की पहली खेप ओडेसा के बंदरगाह से इस?तांबुल के लिए रवाना हुई। वैश्विक खाद्य संकट से राहत पाने के उद्देश्य से तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के साथ दोनों देशों से एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करवाया गया था।

'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज' के अंतिम 10 में भारतीय मानसिक स्वास्थ्य प्रचारक शामिल

लंदन। पोषण से लेकर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाली भारत की एक छात्रा को 'चेग डॉट ओआरजी ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2022' के लिए शीर्ष अंतिम 10 की सूची में शामिल किया गया है। इसके तहत 100,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है। गोवा में 'बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस' की छात्रा अनघा राजेश को 150 देशों से मिली 7,000 से अधिक प्रविष्टियों में से चुना गया है। वह एक शोधकर्ता, कथाकार हैं और समुदाय निर्माण के क्षेत्र में काम करती हैं, जिन्होंने पोषण से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और उद्यमिता तक कई योजनाओं पर काम किया है। गैर-लाभकारी संगठन 'योर्स माइंडफुल' की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में उनका लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता, समावेश और पहुंच की खाई को पाटना है। राजेश ने इस सप्ताह अंतिम प्रतियोगियों की सूची में अपने नाम की पुष्टि के बाद कहा, ''योर्स माइंडफुल में अपनी टीम के साथ मैं यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती हू कि हर जगह युवाओं की व्यक्तिगत मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुंच हो।'' उन्होंने कहा, ''मैं दुनिया भर के अन्य सभी शीर्ष 10 अंतिम सूची के प्रतियोगियों को भी बधाई देना चाहती हू, जो हमारी दुनिया को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं। युवा लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए।'' योर्स माइंडफुल के माध्यम से राजेश पूरे भारत, संयुक्त अरब अमीरात, अफ्रीका और ब्रिटेन के 40 युवाओं की एक टीम के साथ काम करती हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य समावेशन की वकालत करते हैं। इस साल की शुरुआत में 'योर्स माइंडफुल' ने महिला कार्यकर्ताओं के लिए 'मलाला फंड' के साथ साझेदारी की। 'एडटेक चेग' के सीईओ और अध्यक्ष डैन रोसेनस्विग ने कहा, ''अब, पहले से कहीं अधिक, अनघा जैसे छात्र अपनी कहानियों को बताने और अपनी आवाज सुनाने में सुक्षम हुए हैं। आखिरकार, हमें उनके सपनों, उनकी अंतर्दृष्टि का हमारी दुनिया के सामने आने वाली चुनौतीपूर्ण एवं तत्कालिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी रचनात्मकता का इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।''

चीन के सिचुआन प्रांत की लुडिंग काउंटी में 6.8 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग । चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत की लुडिंग काउंटी में 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। भूकंप में कम स कम 7 लोगों के मारने की खबर है। कई लोग घायल भी हुए हैं।चीनी मीडिया के मुताबिक भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र 29.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 102.08 डिग्री पूर्वी देशांतर से जमीन से 16 किलोमीटर की गहरायी में स्थित था। भूकंप का केंद्र लुडिंग काउंटी से 39 किलोमीटर दूर स्थित था और भूकंप के केंद्र के पांच किलोमीटर के दायरे में कई गांव आते हैं। भूकंप के झटके सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदु में भी महसूस किए गए, जो भूकंप के केंद्र से 226 किलोमीटर दूर स्थित है। चीनी सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में चेंगदु में इमारतों को हिलता हुआ देखा जा सकता है। अभी किसी इमारत को नुकसान पहुचने की जानकारी नहीं है। सिचुआन प्रांत तिब्बत के पड़ोस में स्थित है और भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इस प्रांत में 2008 में विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें करीब 90,000 लोगों की मौत हो गई थी।

चक्रवात के खतरे के कारण पूर्वी चीन में फेरी सेवा निलंबित, जापान और कोरिया पर भी हो सकता है असर

बीजिंग। हिनामनोर चक्रवात के प्रभाव से बचने के लिए पूर्वी चीन के शहरों में फेरी सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है और कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इस भीषण चक्रवात का असर जापान, ताईवान और कोरिया पर भी पड़ सकता है। शंघाई ने रविवार को फेरी सेवाओं को निलंबित कर दिया और खतरे वाले क्षेत्रों से यातायात दूर करने तथा बचावकर्मियों की सहायता के लिए 50 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूर्व में स्थित व्यवसाय केंद्र वेनझू में सोमवार को संचालित होने वाली सभी शैक्षिक कक्षाओं को निलंबित कर दिया गया है। हिनामनोर चक्रवात 2022 में अब तक आया सबसे शक्तिशाली समुद्री तूफान है और इसके पूर्वी चीन सागर की ओर बढ़ने का पूर्वानुमान जताया गया है। जापान के ओकिनावा से लोगों को निकाला जा रहा है और उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। चक्रवात के कारण कोरियाई प्रायद्वीप में भारी बारिश होने की आशंका है। हांगकांग वेधशाला के अनुसार चक्रवात में हवा की अधिकतम गति 175 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार पूर्वाह्न दस बजे 'येलो अलर्ट' जारी किया है और उत्तरपूर्वी प्रांत झेजियांग, शंघाई और ताईवान में भारी बारिश होने का अंदेशा जताया है।

नॉर्दर्न एलायंस के नेता का खुलासा, भारत से दगाबाजी कर रहा तालिबान, भारत के मदद के बदले कश्मीर में आंतकी पहुंचा रहा

-गेंहू को जनता में बढ़ने की जगह अपने सैनिकों और उनके परिवार को मिल रहा

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद भारत ने फिर से युद्धग्रस्त देश की गरीब जनता की मदद के लिए बड़े पैमाने पर सहायता देना शुरू कर दिया है। भारत 50 हजार टन गेहूं पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को भेज रहा है। इसके अलावा भारत ने एक बार फिर से काबुल में स्थित दूतावास को सक्रिय किया है। इस बीच भारत के मित्र रहे नॉर्दर्न एलायंस के नेता अहमद शाह मसूद के बेटे और पंजशीर घाटी के हीरो अहमद मसूद ने मोदी सरकार को तालिबान को दी जा रही सहायता पर आगाह किया है। उन्होंने कहा कि तालिबानी आतंकी भारत की मानवीय मदद को अफगान जनता को देने की बजाय अपने सैनिकों और उनके परिवारों का पेट भरने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। मसूद ने कहा कि कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं का संबंध भी तालिबान राज से है। पंजशीर घाटी में नैशनल रजिस्टेंस फ्रंट ऑफ अफगानिस्तान के नेता मसूद ने कहा कि भारत की मदद जरूरतमंद लोगों को नहीं मिल पा रही है। यही नहीं उन्होंने अफगानिस्तान में तालिबान राज आने और कश्मीर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच संबंधों को रेखांकित किया। मसूद ने कहा, 'मैं सत्ता नहीं चाहता हूं और मेरा संघर्ष अभी न्याय के अधिकार के लिए है। मेरी लड़ाई अभी न्याय और स्वतंत्रता के लिए है।' भारत संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत 50 हजार टन गेहूं अफगानिस्तान भेज रहा है लेकिन मसूद ने कहा, 'तालिबान ने भारत की मानवीय मदद का इस्तेमाल अपनी सेना और उनके परिवारों की मदद के लिए किया है, न कि वास्तव में जरूरतमंद लोगों के लिए।'

वेटिकन में पोप फ्रांसिस पोप जॉन पॉल के बीटीफिकेशन समारोह में शामिल हुए।

कनाडा में अलग-अलग स्थानों पर 10 लोगों की चाकू मारकर हत्या, 15 लोग घायल, हमलावर फरार

टोरंटो। कनाडा के सस्कैचवन प्रांत में अलग-अलग स्थानों पर चाकू से हमला कर 10 लोगों की हत्या कर दी गई है, जबकि 15 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। हमलावर फरार हो गया है। सस्कैचवन प्रांत के जेम्स स्मिथ क्री नेशन और वेलडन में अलग-अलग जगहों पर हुई इस घटना के बाद रॉयल कनाडियन माउंटेन पुलिस (आरसीएमपी) ने पूरे राज्य में संदिग्ध व्यक्तियों के लिए अलर्ट जारी किया है।

पुलिस का कहना है कि जेम्स स्मिथ क्री नेशन और सस्कैचवन के उत्तर-पूर्व में वेल्डन गांव में कई स्थानों पर छुरा घोंपने की घटना सामने आई है। आरसीएमपी के मुताबिक संदिग्धों की पहचान डेमियन सैंडर्सन और माइल्स सैंडरसन के रूप में हुई है। इनकी तलाश के लिए पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया गया है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि संदिग्धों का मकसद क्या था। आरसीएमपी सस्कैचवन के सहायक आयुक्त रोंडा ब्लैकमोर ने कहा कि कुछ पीड़ितों को संदिग्धों द्वारा लक्षित निशाना बनाया गया था, लेकिन अन्य लोगों पर आचानक से हमला किया गया। इसलिए इसके पीछे के मकसद का फिलहाल पता नहीं लग सका है। ब्लैकमोर ने कहा कि जो कुछ भी हुआ है, वह भयावह है। ब्लैकमोर ने कहा, हम हमलावरों को पकड़ने के लिए अपने पूरे सूत्र से व्यापक तलाशी अभियान से चला रहे हैं।

4 दिनों तक लाइव फायर ड्रिल, दलाई लामा को आमंत्रण, चीन रुकेगा नहीं तो ताइवान भी झुकेगा नहीं

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की साजिशों को नाकाम करने के लिए ताइवान ने बड़ी तैयारी की है। आज से ताइवान की सेना चार दिनों तक पींगटू काउंटी में लाइव फायर ड्रिल करने जा रही है।जिसमें वो युद्ध के हालात में अपनी सैन्य तैयारियों को परखेगी। चीन ने एक बार फिर ताइवान में घुसपैठ की कोशिश की है। ताइवान के अरबपति कारोबारी ने 33 लाख ताइवानी नागरिकों को मिलिट्री ट्रेनिंग देने का ऐलान किया है। वहीं ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने भी चीन की धमकियों से बेपरवाह होतकर वैश्विक संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया है। वीडियो संदेश के जरिए ताइवानी राष्ट्रपपति ने साफ किया कि वो किसी के भी दबाव में झुकने वाली नहीं हैं। ताइवान और वहां के लोग लोकतांत्रिक सरकारों के सहयोग बढ़ाने को तैयार हैं।

ताइवान ने दलाई लामा को किया आमंत्रित

चीन के खिलाफ ताइवान ने बड़ा पॉलिटिकल कदम उठाया है। पॉर्लियामेंट ग्रुप ने तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा को ताइपे आने का न्यौता दिया है। तिब्बत लोकतंत्र दिवस के मौके पर ताइवान के पॉर्लियामेंट ग्रुप ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। ताइवान ने तिब्बती लोगों के साथ मित्रता बढ़ाने की अपील भी की है।

ताइवान सांसद समूह के अध्यक्ष लिन चांग जुओ ने कहा कि ताइवान और तिब्बत दो समान मूल्यों वाले मित्र समाज हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बतियों के लोकतांत्रकि अधिकारों की रक्षा करेगा।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से दुनिया ने एक सबक सीखा

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से दुनिया ने एक सबक सीखा है कि एक देश एक सत्तावादी शासन के हमले को तबतक नहीं रोक पाएगा जब उसके पास पर्याप्त सैन्य शक्ति नहीं होगी। ताइवान को चीन की सेना की ओर बार-बार घुसपैठ का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी हाउस की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

पांच दिनों के राजकीय दौरे पर काठमांडू पहुंचे भारतीय सेना प्रमुख

काठमांडू (एजेंसी)।

भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रविवार को यहां पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे, जिसमें वह देश के शीर्ष सैन्य और असैन्य नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श करेंगे। नेपाल के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बाल कृष्ण कारकी ने यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जनरल पांडे की अगवानी की। जनरल पांडे को इस यात्रा के दौरान सोमवार को काठमांडू में एक समारोह में राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी।

इसके तहत भारत भी नेपाली सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करता है। नेपाल के सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा ने पिछले साल नवंबर में भारत के सेना प्रमुख के निमंत्रण पर भारत का दौरा किया था। उन्हें इस यात्रा के दौरान भारतीय सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान की गयी थी।

जनरल पांडे इस दौरान वह पड़ोसी देश के असैन्य और सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। जनरल पांडे की काठमांडू में होने वाली चर्चा में अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में नेपाल के गोरखा जवानों को शामिल किए जाने का विषय भी आ सकता है। खबरों के अनुसार, नेपाल ने भारत से कहा है कि नयी योजना के तहत भर्ती मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। जनरल पांडे इस यात्रा में राष्ट्रपति भंडारी तथा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात करेंगे और नेपाल के सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा से व्यापक चर्चा के साथ ही नेपाल के वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्य नेताओं के साथ भी बैठक करेंगे। अपनी इस यात्रा में वह नेपाली सेना के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे, जहां वह शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देंगे और बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। सेना प्रमुख मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं।

काबुल में रूसी दूतावास के बाहर ब्लास्ट, दो रुसी राजनयिकों सहित 20 लोगों की मौत की खबर

काबुल (एजेंसी)।

राजधानी काबुल में सोमवार को रूसी दूतावास के बाहर ब्लास्ट हुआ है। बताया जा रहा है कि धमाका दारूलामान रोड के इलाके में हुआ है। ब्लास्ट में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने की खबरें हैं।वहीं कई लोग घायल भी हैं, लेकिन घायलों की कितनी संख?या है इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। तालिबानी सरकार की तरफ से अभी तक इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है। स्थानीय पुलिस की तरफ से कहा गया है कि आत्मघाती हमलावर दूतावास की तरफ बढ़ रहा था, तभी उस मार दिया गया है।

नागरिक ने बताया कि सोमवार को हुआ ब्लास्ट इतना शक्तिशाली था कि आसपास के घरों की खिड़कियों के कांच टूट गए। बताया जा रहा है कि आमघाती हमलावर भीड़ को निशाना बनाना चाहता था। उसका निशाना वहां लोग थे, जो वीजा के लिए अप्लाई करने आए थे। रुसी मीडिया की तरफ से अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है, कि जिस समय ब्लास्ट हुआ उस समय रूस के एक राजनयिक बाहर आए थे और वह वीजा कैंडीडेट का नाम पुकार रहे थे। बताया जा रहा है कि हमले में दो रूसी राजनयिकों की भी मौत हो गई है। एजेंसी ने ब्लास्ट में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने की बात कही है। साल 2016 में अफगानिस्तान स्थित रूसी दूतावास के करीब ब्लास्ट हुआ था। उस ब्लास्ट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। तालिबान के शासन काल में धमाके होना अब सामान्य हो गया है।

नासा मून मिशन एक नई अंतरिक्ष दौड़ की शुरुआत का प्रतीक है

मॉस्को (एजेंसी)।

सिडनी, 5 सितंबर (द कन्वरसेशन)। नासा ने इस शनिवार, तीन सितंबर को आर्टेमिस 1 चंद्र मिशन शुरू करने की योजना बनाई, क्योंकि सप्ताह की शुरुआत में पहले प्रयास में इंजन में समस्या के कारण अंतिम समय में इसे रद्द कर दिया गया था। यह मिशन 1972 के बाद पहली बार मानव को चंद्रमा पर भेजने की दिशा में एक रोमांचक कदम है। लेकिन इस बार यह केवल चंद्र की धरती पर हमारे पैरों के निशान छोड़ने के बारे में नहीं है बल्कि यह चंद्र संसाधनों के लिए एक नयी अंतरिक्ष दौड़ की शुरुआत का प्रतीक है। इस बार हर कोई चांद पर खनन करना चाहता है।

चंद्रमा पर लौटें आर्टेमिस कार्यक्रम के बारे में बहुत कुछ नया और प्रेरक है। आर्टेमिस 1 कार्यक्रम का पहला मिशन है और यह चंद्रमा की कक्षा में जाने के लिए प्रायोगिक उड़ान भरेगा और बिना चालक दल के 42-दिवसीय यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौटेगा। इस यात्रा में एक नए लॉन्च वाहन, स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) का उपयोग किया जाएगा, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। बोर्ड पर पुरुष और महिला के प्रतिरूप वाले तीन पुतले होंगे। नासा इन पुतलों का उपयोग प्रक्षेपण यान के आराम और सुरक्षा और मनुष्यों के लिए स्पेसफ्लाइट कैप्सूल का परीक्षण करने के लिए करेगा।

बोर्ड पर कई अन्य प्रयोग भी किए गए हैं और जब कैप्सूल चंद्रमा के पास होगा तो डाटा प्रदान करने के लिए छोटे उपग्रहों की एक श्रृंखला प्रक्षेपित की जाएगी। इस मिशन से मिले सबक को आर्टेमिस 2 पर लागू किया जाएगा, जो मिशन 2024 के लिए योजनाबद्ध की गई है और इसमें एक महिला और पुरुष को चंद्रमा पर भेजे जाने की उम्मीद है। एक नयी अंतरिक्ष दौड़? हालांकि, चंद्रमा पर मानव का फिर से कदम रखना केवल खोज और ज्ञान की खोज के बारे में नहीं है। जिस तरह 1960 के दशक की अंतरिक्ष दौड़ शीत युद्ध की भूराजनीति से प्रेरित थी, उसी तरह आज के अंतरिक्ष कार्यक्रम आज की भू-राजनीति पर आधारित हैं। अमेरिका आर्टेमिस का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य मित्र राष्ट्र शामिल हैं। चीन और रूस अपने-अपने मून कार्यक्रम पर सहयोग कर रहे हैं। वे 2026 में मनुष्य को चंद्रमा पर उतारने की योजना बना रहे हैं। भारत भी रोबोटिक मून लैंडर्स और लूनर स्पेसफ्लाइट प्रोग्राम पर काम कर रहा है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी इस साल नवंबर में एक चंद्र लैंडर प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। इस दौड़ का दीर्घकालिक लक्ष्य चंद्र संसाधनों का अधिग्रहण करना है। चंद्रमा पर संसाधन चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्रों में पानी की बर्फ का पता चला है और आशा है कि ईंधन के लिए इस्तेमाल की जा सकने वाली कुछ गैसों का भी खनन किया जा सकता है। इन संसाधनों का उपयोग चंद्र आधारों (लूनार बेस) पर और चंद्रमा के निकट दीर्घकालिक मानव निवास स्थान के निर्माण में किया जा सकता है, साथ ही साथ चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन जैसे कि नासा के पूर्वनियोजित 'गेटवे' के निर्माण में किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी आर्टेमिस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए ऑस्ट्रेलियाई उद्योग का समर्थन कर रही है और मंगल ग्रह पर अमेरिका की बाद की यात्राओं की योजना बना रही है। चंद्र खनन प्रयासों में सहायता के लिए ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक भी चंद्र रोवर विकसित कर रहे हैं। नियम क्या हैं? अगले पांच वर्षों में हम चंद्रमा पर इस नयी दौड़ के आसपास भारी राजनीतिक तनाव बढ़ने की उम्मीद कर सकते हैं। एक प्रश्न जिसका उत्तर अब तक नहीं मिला है, वह है- चंद्रमा पर गतिविधियों को कौन से नियम नियंत्रित करेंगे?

7 साल की उम्र में मिले थे 0 वोट, आज बनीं ब्रिटेन की नई पीएम, जानें लिज ट्रस का पार्षद से प्रधानमंत्री तक का सफर

लंदन। (एजेंसी)।

ऋषि सुनक बनाम लिज ट्रेस यानी ब्रिट्रेन के प्रधानमंत्री बनने की रेस खत्म हो गई। लिज ट्रस ने 20 हजार से ज्यादा वोटों से ऋषि सुनक को मात दे दी। ट्रस कंजर्वेटिव पार्टी के कार्यकर्ताओं की पहली पसंद बनीं। उन्हें ऋषि सुनक के खिलाफ अच्छी-खासी बढ़त प्राप्त हुई। ट्रस को 81 हजार 326 वोट मिले जबकि सुनक को 60 हजार 399 वोट प्राप्त हुए। सरकारी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाली 46 साल की लिज ट्रस की जिंदगी व राजनीतिक सफर काफी रोचक रहा है। उनके पिता गणित के प्रोफेसर और मां एक नर्स थीं। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद कुछ समय तक ट्रस ने अकाउंटेंट के रूप में भी काम किया है। जिसके बाद वो राजनीति में आ गईं। लेबर पार्टी समर्थक परिवार से आने वाली ट्रस ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से की थी।

नहीं मिला था एक भी वोट

लिज से जुड़ा एक दिलचस्प वाक्या भी है जब उन्हें एक भी वोट प्राप्त नहीं हुआ था, जिसका जिक्र एक बार खुद ही लिज ने किया था। ट्रस ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया था कि जब वो सात साल की थीं तो स्कूल के मॉक इलेक्शन में उन्होंने मार्गरेट थेचर की भूमिका निभाई थी। हालांकि उन्हें एक भी वोट नहीं मिला था। उन्होंने कहा था कि हस्टिंग में अपनी समझ में एक जोरदार भाषण दिया था। लेकिन आखिर में मुझे एक भी वोट नहीं मिले।

पार्षद से प्रधानमंत्री तक

लीज ट्रस के राजनीतिक सफर की शुरुआत 2001 के आम चुनावों के जरिये हुई थी। उन्होंने हेम्सवर्थ, वेस्ट यॉर्कशायर से टोरी/कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरा था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। ट्रस ने 2005 में वेस्ट यॉर्कशायर पार्टी की उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरा था। लेकिन हार का सामना करना पड़ा। ट्रस ने 2005 में ही काल्डर वैली सीट से फिर चुनाव लड़ा लेकिन इस बार भी उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा। चार मई 2006 को उन्होंने पहला चुनाव पार्षद के तौर पर जीता। इसके बाद 2010 में वह पहली बार सांसद चुनी गईं। 2010 में सांसद बनी और 2012 में देश की शिक्षा मंत्री बनीं। 2016 में न्याय सचिव का पद संभावा। 2017 में उन्हें ट्रेजरी प्रमुख का पद दे दिया गया। 2019 में जब बोरिस जॉनसन प्रधानमंत्री बने तो लिज ट्र को विदेश सचिव बना दिया गया।

टीम बोरिस से आती हैं ट्रस

46 साल की लिज ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से की थी। लेकिन बाद में वो कंजर्वेटिव पार्टी में शामिल हो गई। बता दें कि ब्रिटेन में दो मेन पार्टिया हैं। एक कंजर्वेटिव पार्टी जिसे दक्षिणपंथी विचारों वाली मानी जाती हैं। वहीं

दूसरी लेबर पार्टी हैं जो वामपंथी पार्टी है। लिज ट्रस का यूक्रेन और रूस के युद्ध के प्रति रवैया शुरुआत से ही कड़ा रहा है। यूके की तरफ से जो प्रतिबंध एक-एक कर रूस पर लगाए गए उसमें लिज ट्रस का बहुत बड़ी भूमिका रही है। बोरिस जॉनसन ने बीते दिनों यूक्रेन जाकर व्लादोमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की थी। लिज ट्रस शुरुआत से ही ऑल टाइम फेवरेट नहीं मानी जा रही थी। ट्रस टीम बोरिस जॉनसन से हैं। जॉनसन हर संभव प्रयास कर रहे थे कि ऋषि सुनक को रोका जाए। ब्रिटेन में टैक्स, बेग्जिट और इकोनॉमी मुख्य मुद्दा इस चुनाव में रहा।

एशिया कप 2022: श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए 'करो या मरो' की स्थिति, गेंदबाजी संतुलन की जरूरत

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम जब मंगलवार को एशिया कप के 'करो या मरो' के 'सुपर फोर' मुकाबले में श्रीलंका के सामने होगी तो उसे अपने गेंदबाजों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की जरूरत होगी जबकि उसे ज्यादा प्रयोग से भी बचना होगा। चोटिल रविंद्र जडेजा, हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत के पास गेंदबाजी विभाग में खिलाने के लिये ज्यादा विकल्प नहीं हैं।

भारत 4 सितम्बर को पाकिस्तान के खिलाफ पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ खेला था और यह फैसला टीम के पक्ष में नहीं रहा क्योंकि उस दौरान भुवनेश्वर कुमार उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सके। पाकिस्तान के खिलाफ शुरूआती मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले हार्दिक पंड्या भी मंहगे साबित हुए। ऐसा ही युजवेंद्र चहल के साथ भी हुआ।

पांच गेंदबाजों की 'थ्योरी' में हार्दिक के चार ओवर काफी अहम हो जाते हैं। अक्षर पटेल को टीम में संतुलन प्रदान करने के लिये अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है जिन्हें जडेजा की जगह बुलाया गया है। आवेश खान पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले अस्वस्थ थे, वह तीसरे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में वापसी कर सकते हैं। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने जोर दिया था कि भारत विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश के साथ खेलने की कोशिश करेगा लेकिन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम का प्रयोग करना जारी है।

ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक को लेकर हो रही बहस

टीम में 'ऋषभ पंत बनाम दिनेश कार्तिक' बहस जारी है जिससे टीम प्रबंधन ने तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज की जगह दीपक हुड्डा को खिलाया। वहीं कार्तिक को हालांकि पहले दो मैचों में बमुश्किल से बल्लेबाजी का मौका मिला। इस समय गेंदबाजी संसाधन भले ही काफी नहीं हों लेकिन भारत को अपने मध्यक्रम के बारे में फैसला करने की जरूरत है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से सकारात्मक चीज यह रही कि शीर्ष क्रम ने शानदार प्रदर्शन किया। रोहित, केएल राहुल और विराट कोहली सभी तीनों ने काफी आक्रामकता दिखायी। कोहली के आलोचक एशिया कप में उनके लगातार दूसरे अर्धशतक के बाद आखिर अब चुप हो सकते हैं। वह भले ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हों लेकिन रविवार को उन्होंने संकेत दिया कि वह इस ओर बढ़ रहे हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में कोहली और दोनों सलामी बल्लेबाजों से पहली ही गेंद से तेज तर्रार बल्लेबाजी की उम्मीद लगी होगी। बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाफ दो करीबी जीत दर्ज करने के बाद श्रीलंका ने

शुरूआती मैच में करारी शिकस्त के बावजूद अपना अभियान पटरी पर लौटा लिया है। तीसरे नंबर के बल्लेबाज चरित असालंका को छोड़कर श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने प्रभाव डाला है जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ कसान दासुन शनाका और कुसल मेंडिस तथा अफगानिस्तान के खिलाफ धनुष्का गुणतिलक और भानुका राजपक्षे शामिल हैं। कोच क्रिस सिल्वरवुड की टीम अब राहत की सांस ले सकती है कि वह किसी भी हालात में जीत हासिल कर सकती है। इसलिये भारत को श्रीलंका से सतर्क रहना होगा क्योंकि एक और हार उसे फाइनल की दौड़ से बाहर कर सकती है।

यूएस ओपन: गॉफ, जब्योर ने क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

न्यूयार्क (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क = अमरीका की युवा सनसनी कोको गॉफ ने चीन की झांग शुआई की कड़ी चुनौती को पार करते हुए पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गॉफ ने रविवार को तीसरे दौर के मुकाबले में 33 वर्षीय झांग पर सीधे सेटों में 7-5, 7-5 से जीत दर्ज की। 18 वर्षीय गौफ 2009 के बाद से यहां क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमरीकी महिला है।

इस साल की शुरुआत में रोलां गैरो में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने वाली गॉफ सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस की 17वीं सीड कैरोलिन गार्सिया का सामना करेंगी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के अजला टॉमलानोविक और ऑन्स जब्योर ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीते।

डब्ल्यूटीए दिग्गज सेरेना विलियम्स को तीसरे दौर में हराने वाली टॉमलानोविक ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-6 (8), 6-1 से हराकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जब्योर ने भी पहले सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 18वीं सीड वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 7-6(1), 6-4 से शिकस्त दी। यह ट्यूनीशियाई खिलाड़ी की कुदेरमेटोवा पर चार मुकाबलों में पहली जीत है। टॉमलानोविक और जब्योर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मंगलवार को एक दूसरे का मुकाबला करेंगी।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने पर केवल धोनी का संदेश आया : विराट

दुबई (एजेंसी)।

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली लंबे समय बाद लय में आते दिख रहे हैं। विराट ने एशिया कप के सुपर-फोर में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगाया। इस सीरीज में यह दूसरी बार है जब विराट ने अर्धशतक लगाया है। इससे पहले हांगकांग के खिलाफ मुकाबले में भी विराट ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं पाक के खिलाफ पहले लीग मैच में उन्होंने 35 रन बनाये थे। विराट पिछले काफ समय से बड़ी पारी न खेल पाने के कारण निशाने पर थे। यहां तक कि टीम में उनका स्थान तक खतरे में पड़ता नजर आ रहा था।

पाक खिलाफ मैच के बाद विराट ने अपने खराब दौर को याद करते हुए कहा , जब मैंने टेस्ट की कप्तानी छोड़ी थी, तो मुझे केवल पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का संदेश आया था। साथ ही कहा कि अन्य लोगों के पास भी मेरा नंबर था पर किसी ने कोई संदेश नहीं भेजा जबकि कई लोग मुझे खेल को लेकर सलाह देते रहे हैं। कोहली ने कहा कि इससे धोनी और मेरी बॉन्डिंग का पता चलता है। वहीं अन्य लोग क्या कहते हैं ओर सोचते हैं , इस पर मैं अधिक ध्यान नहीं देता। इस समय टीम का माहौल बहुत अच्छा है। गौरतलब है कि विराट ने जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका सीरीज में मिली हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी।

जेमिमा रोड्रिग्ज आईसीसी के 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार के लिए नामित

दुबई (एजेंसी)।

भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज को अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

महिला वर्ग में नामित खिलाड़ियों में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और ताहलिया मैकग्रा भी शामिल हैं। जेमिमा ने भारत को बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह पांच मैच में 146 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थी।

उन्होंने बारबडोस के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत की ओर से 46 गेंद में सर्वाधिक नाबाद 56 रन बनाकर टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी तरफ बेथ मूनी राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के अंतिम ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 49 गेंद में 70 रन बनाए और फिर सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 गेंद में 36 रन की पारी खेली।

ताहलिया ने अपने आलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पांच मैच में आठ विकेट के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल गेंदबाज रहीं। पुरुष वर्ग में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर को नामित किया गया।

ऋषभ के लापरवाही भरे शॉट पर रोहित हुए नाराज

दुबई । एशिया कप के सुपर फोर में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने निराश किया। ऋषभ को अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की जगह अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया था। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने के कारण बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण ऋषभ को कार्तिक पर वरीयता मिली। प्रशंसकों को ऋषभ से अच्छी पारी की उम्मीद थी पर वह गलत शॉट लगाने के कारण अपना विकेट गंवा बैठे। वही स्पिनर शादाब खान की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने के प्रयास में कैच हुए। ऋषभ ने 12 गेंद में दो चौके की मदद से 14 रन बनाये। उनके इस लापरवाही भरे शॉट पर कप्तान रोहित शर्मा ने भी नाराजगी व्यक्त की है। उन्हें इस युवा खिलाड़ी को समझाते हुए भी देखा गया। यह पहला अवसर नहीं है जब ऋषभ इस प्रकार गैर जिम्मेदाराना तरीके से आउट हुए हैं।

शुरुआत में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे नवाज

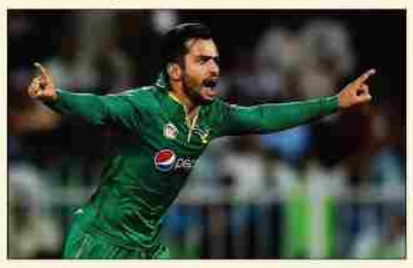

दुबई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तानी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ने क्रिकेट के लिए पढ़ाई तक छोड़ दी थी। नवाज ने स्कूली पढ़ाई छोड़ने के बाद एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पहचान बनायी है। वह गेंदबाज, बल्लेबाज के साथ-साथ अच्छे फील्डर भी हैं। नवाज ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में की थी। इसके साथ ही वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी भी करते हैं। नवाज ने साल 2012 में फर्स्ट क्लास डेब्यू के बाद पहले चार सत्र में, तीन शतक और सात अर्धशतकों की सहायता से 1440 रन बनाये थे। इसके साथ ही 24.4 की औसत से 44 विकेट लिए थे। इसके बाद पाकिस्तान सुपर लीग के अपने पहले सत्र में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। इसी कारण से ही उन्हें 2016 के एशिया कप में पाक टी20 टीम में जगह मिली। भारतीय टीम के खिलाफ सुपर-फोर के इस मैच में नवाज एक ऑलराउंडर की भूमिका में नजर आये। इस मैच में नवाज को पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी में ऊपर भेजा था। नवाज ने अच्छी बल्लेबाजी कर प्रबंधन के फैसले को सही साबित कर दिया।

पहला अनाधिकृत टेस्ट ड्रा रहा: तिलका का पहला शतक, कुलदीप की काफी नियंत्रित गेंदबाजी

बेंगलुरू (एजेंसी)।

प्रतिभावान बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया जबकि कुलदीप यादव ने काफी नियंत्रित गेंदबाजी की जिससे रविवार को यहां भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला अनाधिकृत क्रिकेट टेस्ट ड्रा रहा। न्यूजीलैंड ए ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 133 रन बनाये जिसके बाद मैच खत्म हो गया। इससे पहले भारत ए के कप्तान प्रियांक पंचाल ने पहली पारी छह विकेट पर 571 रन पर घोषित की थी। इसमें तिलक 183 गेंद में 121 रन बनाकर पारी के तीसरे शतकवीर रहे। भारतीय गेंदबाजी में शानदार चीज कुलदीप यादव की गेंदबाजी रही, उन्होंने दूसरी पारी में 22 ओवर में 38 रन देकर दो विकेट झटके।

मैच ड्रा की ओर बढ़ रहा था लेकिन बायें हाथ के इस कलाई के स्पिनर ने पहली पारी की तुलना में काफी नियंत्रण और सटीकता से गेंदबाजी की। पहली पारी में उन्होंने 34 ओवर में 119 रन देकर एक

विकेट झटका था। उन्होंने न्यूजीलैंड ए के दांये हाथ के सलामी बल्लेबाज चाड बॉवेस (20 गेंद में पांच रन) को बेहतरीन बायें हाथ की स्पिन गुगली से अपना शिकार बनाया। बॉवेस रक्षात्मक स्ट्रोक खेलने के लिये आगे हुए लेकिन गेंद टर्न होकर उनके बल्ले को चूमती हुई स्लिप में खड़े रूतुराज गायकवाड़ के हाथों में समा गयी।

उन्होंने मार्क चैपमैन को भी आउट किया लेकिन उन्होंने जिस तरह से अपनी गेंदों की गति में विविधता दी, यह देखना शानदार था। मैच में अहम चीज यह रही कि कुलदीप ने मैच में कुल 56 ओवर डाले। वह बचे हुए दो में से कम से कम एक टेस्ट में और खेलेंगे क्योंकि राहुल चाहर को भी एक मैच दिया जायेगा। इसके बाद कुलदीप उत्तर प्रदेश के लिये घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद बांग्लादेश दौरे पर जायेंगे। तिलक ने भारत ए पदार्पण में चमकदार प्रदर्शन किया। अपने इस पहले अनाधिकृत टेस्ट से पहले उन्होंने केवल चार प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90 रन का था। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, उन्होंने पारी के दौरान नौ चौके और छह छक्के जमाये। मैच में अभिमन्यु ईश्वरन (132 रन) ने नयी गेंद के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और बड़े स्कोर की नींव रखी जबकि रजत पाटीदार (176 रन) ने न्यूजीलैंड ए के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ायीं। लेकिन तिलक के प्रयास को कम नहीं कहा जा सकता कि टीम मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी थी और दबाव कम था।

ग्रीन पार्क में दस सितंबर को होगा सचिन और लारा की टीमों का मुकाबला

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कानपुर (ईएमएस)। सड़क सुरक्षा जागरुकता को लेकर कानपुर के ग्रीन पार्क में दस सितंबर को रोड सेफ्टी विश्व सीरीज का शुरुआती मुकाबला महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की इंडियन लीजेंड्स और ब्रायन लारा की वर्ल्ड लीजेंड्स के बीच होगा। यह टूर्नामेंट पहली बार यहां के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। कानपुर के अलावा देश के 3 अन्य जगह पर भी यह टूर्नामेंट होगा। इस सीरीज को लेकर स्टेडियम में जबरदस्त तैयारियों हो रही हैं।

इस सीरीज में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड सहित 8 टीमें भाग लेंगी। इसमें विश्व भर के कई पूर्व क्रिकेटर खेलते दिखेंगे। सीरीज का सेमीफाइनल और फाइनल इस बार रायपुर के मैदान में खेला जाएगा.इसके गत संस्करण में 7 टीमें शामिल हुई थी। वहीं 2022 में एक और टीम इस सीरीज से जुड़ी है। जिसके बाद अब दुनिया के कुल 8 देशों की टीमें इस सीरीज में भाग लेंगी। सभी देशों के पूर्व खिलाड़ी इसमें खेलते नजर आयेंगे। इसमें मुख्य रुप से सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, एंड्रयू सायमंड्स, रॉस टेलर सहित अन्य दिग्गज खिलाड़ी भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के उदघाटन समारोह में बालीवुड सितारे भी कार्यक्रम पेश करेंगे।

अरविंद चितांबरम नें जीता दुबई इंटरनेशनल शतरंज का खिताब

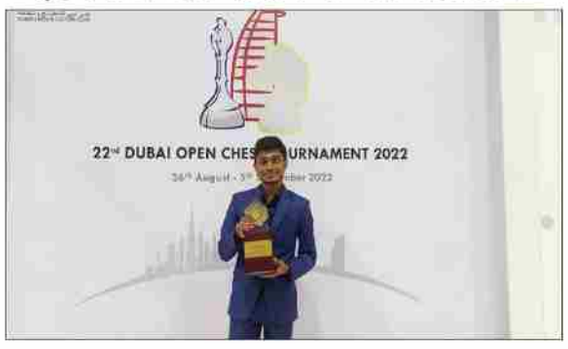

दुबई । 22वे दुबई ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दो राउंड भारी उलटफेर वाले रहे और टूर्नामेंट में पूरे समय आगे चल रहे भारत के अर्जुन एरिगासी ,आर प्रग्गानंधा और रूस के अलेक्जेंडर प्रेडके को पीछे छोड़ते हुए भारत के दो बार के राष्ट्रीय चैम्पियन अरविंद चितांबरम नें खिताब जीत लिया । अरविंद दुबई ओपन का खिताब जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए है उनसे पहले भारत के अभिजीत गुप्ता यह कारनामा कर चुके है । अरविंद नें सबसे पहले आठवे भारत के नंबर 2 शतरंज खिलाड़ी युवा अर्जुन एरिगासी को काले मोहरो से किंग्स इंडियन ओपनिंग में पराजित किया और फिर अंतिम राउंड में आर प्रज्ञानंधा से ड्रॉ खेलते हुए 7.5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल कर लिया । 7 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रूस के टॉप सीड अलेक्जेंडर प्रेडके दूसरे तो प्रज्ञानंधा तीसरे स्थान पर रहे ,7 ही अंको पर टाईब्रेक के आधार पर अभिजीत गुप्ता ,सम्मेद शेटे और एसपी सेथुरमन क्रमशः चौंथे से छठे स्थान पर रहे जबकि अंतिम राउंड में ड्रॉ खेलने की वजह से 6.5 अंक ही बना सके अर्जुन एरिगासी टाईब्रेक के आधार पर सातवे स्थान पर रहे । 6.5 अंक बनाकर सर्बिया के इंडिक अलेक्जेंडर ,ईरान के कियान सैयद और भारत के हर्षा भारतकोठी क्रमशः आठवे से दसवें स्थान पर रहे । महिला खिलाड़ियों में दिव्या देशमुख 5.5 अंक बनाकर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी रही जबकि भारत के आयुष शर्मा अपना पहला ग्रांड मास्टर नार्म हासिल करने में सफल रहे ।

अंडर 17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी: कप्तान

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की कप्तान आशालता देवी ने कहा है कि अगले माह 11 से 30 अक्टूबर के बीच देश में होने वाले फीफा अंडर 17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी। आशालता के अनुसार इससे भारत महिला फुटबॉल का बड़ा केंद्र बनेगा जबकि अभी कई लोगों को महिला फुटबॉल के बारे में जानकारी तक नहीं है। वहीं टीवी प्रसारण से लोग इसके बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल के भविष्य के लिये यह एक अच्छा अवसर है। उन्होंने प्रशंसकों से बड़ी संख्या में स्टेडियम में आकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 को आपके सहयोग की जरूरत है। इसके खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन की ओर प्रेरित होंगे। साथ ही कहा कि अब महिला फुटबॉल को लेकर लोगों की सोच बदली है जबकि पहले लोग यह मान ही नहीं कर पाते थे कि लड़कियां भी फुटबॉल खेल सकती है पर अब मेरे घर के आसपास सभी मेरा समर्थन करते हैं। जब भी मैं घर जाती हूं तो मेरा भव्य स्वागत होता है।

अर्शदीप को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, जीत के बाद भी पाकिस्तान ने की ये हरकत

दुबई (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच 4 सितम्बर को एक बार फिर रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। जिसमें आखिर समय तक मैच तराजू पर रखा था। लेकिन अंत में पाकिस्तान ने आखिर 28 अगस्त को मिली हार का बदला ले ही लिया और 5 विकेट से इस मुकाबले को जीतकर एक बार फिर टूर्नामेंट में वापसी कर ली है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि खेल जगत में भारत-पाकिस्तान के मैच को एक कट्टर प्रतिद्वंदता माना जाता है। दोनों टीमों के बीच मुकाबले के बाद अक्सर कुछ घटनाएं देखने को मिलती हैं। ऐसा ही कुछ 4 सितम्बर को हुए मैच के बाद देखने को मिला।

दरअसल, मैच के नाजुक मोड़ के दौरान तेज गेंदबाज अर्शदीप से आसिफ अली का एक कैच छूट गया। जिसके बाद सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ी को काफी ट्रोल किया जाने लगा। इतना ही नहीं बल्कि अर्शदीप के विकिपीडिया के पेज पर छेड़छाड़ की गयी और उनको 'खालिस्तान' संगठन से जोड़ दिया गया।

भारतीय गेंदबाज के साथ हुई इस हरकत के बाद भारत सरकार हरकत में आई और विकिपीडिया को नोटिस भेजा गया। वहीं, अब इस घटना को लेकर एक नया खुलासा हुआ है जिसमें पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान की तरफ से रची गयी।

आईएसपीआर की तरफ से रची गयी साजिश

सूत्रों के द्वारा पता चला है कि अर्शदीप को खालिस्तानी बताने की साजिश आईएसपीआर की तरफ से रची गयी। इसको लेकर पाकिस्तान के ट्वीटर हैंडल से सैंकड़ों ट्वीट भी किये गए। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस तरह की घटना पहले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ भी हो चुकी है।

आपको बता दें, मैच के 17वें ओवर में अर्शदीप से कैच छूट गया था जिसको लेकर उनको ट्रोल किया जाने लगा और हार का कारण बताया। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों ने युवा तेज गेंदबाज का समर्थन किया। विराट कोहली ने यह भी कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ी युवा खिलाड़ियों के समर्थन में हैं ऐसी गलतियों से हर खिलाड़ी सीखता है।

शाह ने दिया मिशन-135 का नारा, फडणवीस बोले- उद्धव को सत्ता से हटाने की आखिरी लड़ाई

मुंबई, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। बृहनमुंबई महानगर पालिका चुनाव में जीत हासिल करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी बड़ी तैयारी में जुटी है। ऐसे में मुंबई पहुंचे बीजेपी की चुनावी रणनीति के 'चाणक्य' और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीएमसी चुनाव को लेकर प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा की। इस दौरान अमित शाह ने बीजेपी के लिए मिशन-135 का नारा दिया । वहीं महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बार का बीएमसी चुनाव मतलब आर या पार की आखिरी लड़ाई है। उन्होंने कहा कि एक तरह से यह लड़ाई उद्धव ठाकरे की शिवसेना को सत्ता से हटाने के लिए है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार की रात को मुंबई पहुंचे। गणेशोत्सव के दौरान अमित शाह सोमवार को गणपति दर्शन के बाद बीएमसी चुनाव को लेकर प्रमुख नेताओं के साथ देवेंद्र फडणवीस के घर सागर बंगले पर बैठक की। यहां अमित शाह ने मुंबई बीएमसी चुनाव जीतने के लिए बीजेपी नेताओं को 227 सीटों में से 135 सीटें जीतने का टारगेट दिया। दरअसल बीएमसी का चुनाव सितंबर या अक्टूबर में होना है।

इस दौरान अमित शाह ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीएमसी चुनाव की तैयारी में लगें। साथ ही उद्धव ठाकरे की शिवसेना पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि हमने शिवसेना को छोटा नहीं किया बल्कि वो अपनी नीतियों की वजह से छोटी हुई है। उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट के साथ चुनाव लड़ने पर जोर दिया।

बैठक में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बार का बीएमसी चुनाव मतलब शिवसेना से आर या पार की आखिरी लड़ाई है। इस बार उद्धव ठाकरे की शिवसेना को सत्ता से हटाने का काम होगा।

दरअसल बीएमसी चुनाव सितंबर या अक्टूबर में होने की संभावना है। ऐसे में बीजेपी का लक्ष्य बीएमसी का कंट्रोल शिवसेना से छीनकर अपने हाथों में लेना है। बीएमसी चुनाव कराने में देरी के कारण इस साल की शुरुआत में एक प्रशासक की नियुक्ति होने तक बीएमसी पर शिवसेना का कंट्रोल था। बीएमसी की सत्ता पिछले 25 साल से शिवसेना के कब्जे में हैं। शिवसेना में फूट के बाद बीजेपी इस बार बीएमसी की सत्ता शिवसेना से छीनने के लिए इस बार कुशल रणनीति के तहत मेहनत कर रही है।

एलजी ने 'आप' नेताओं को भेला लीगल नोटिस, फेक न्यूज फैलाने का आरोप

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कथित झूठे आरोप लगाने के मामले में संजय सिंह, आतिशी और दुर्गेश पाठक समेत आम आदमी पार्टी (आप) कई नेताओं को लीगल नोटिस भेजा है। आप नेताओं को इस पर अगले 48 घंटे में जवाब देने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार, उपराज्यपाल ने 'आप' विधायकों व नेताओं को लीगल नोटिस भेजा है। एलजी की ओर से इस नोटिस में 'आप' नेताओं के ऊपर फेक न्यूज फैलाने और उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया है। वकील वाणी दीक्षित की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। इस नोटिस में 'आप' नेता संजय सिंह, आतिशी, दुर्गेश पाठक, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह और जैस्मीन शाह समेत अन्य के नाम शामिल हैं।

'आप' नेताओं ने विनय कुमार सक्सेना के खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कथित रूप से प्रतिबंधित नोटों को बदलने का आरोप लगाया था। 'आप' विधायक दुर्गेश पाठक ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि एलजी सक्सेना ने 2016 में अपने कर्मचारियों पर 1400 करोड़ रुपये के पुराने नोट बदलने के लिए दबाव डाला था।

इसके साथ ही, 'आप' ने शनिवार को एक और नया आरोप लगाया था कि दिल्ली के उपराज्यपाल सक्सेना ने केवीआईएस के अध्यक्ष पद पर रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया और एक खादी लाउंज की इंटीरियर डिजाइनिंग का ठेका अपनी बेटी शिवांगी सक्सेना को दिया था।

'आप' ने इसे सक्सेना द्वारा 'नैतिक भ्रष्टाचार' का मामला बताते हुए दावा किया कि अगर उनकी बेटी शिवांगी को इंटीरियर डिजाइनिंग का ठेका दिए जाने संबंधी मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाती है, तो इसमें एक वित्तीय पहलू भी सामने आएगा। हालांकि, उपराज्यपाल सचिवालय ने आरोपों से इनकार किया है और कहा कि सक्सेना की बेटी ने मुफ्त में काम किया था। 'आप' ने प्रधानमंत्री मोदी से सक्सेना को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की थी।

उपराज्यपाल सक्सेना ने शुक्रवार को 'आप' के नेताओं पर मुंबई में केवीआईसी लाउंज के विकास पर भ्रामक आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया था। उपराज्यपाल सचिवालय ने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया, खादी ग्रामोद्योग आयोग ने एक पत्र जारी किया है जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उसके मुंबई स्थित लाउंज की परियोजना की कुल लागत 27.3 लाख रुपये थी और एक राजनीतिक पार्टी द्वारा दिए गए आंकड़े गलत हैं।

सीआईएसएफ कांस्टेबल से बलात्कार और पुलिस पर हमला करने वाला आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। सीआईएसएफ के कांस्टेबल से बलात्कार और ब्लैकमेल करने और पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने झारखंड से एक शख्स को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के जिला पुलिस आयुक्त (डीसीपी) राजेश देव ने कहा कि आरोपी दीपक कुमार को झारखंड के हजारीबाग इलाके से पकड़ा गया है।

डीसीपी ने कहा, आरोपी ने पीड़िता के साथ बलात्कार किया था और उसके भाई और अन्य रिश्तेदारों को भारतीय सेना और बिहार पुलिस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब 28 लाख रुपये की ठगी की थी। जब दिल्ली पुलिस की टीम ने उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, तो उसने 30-40 अन्य लोगों के साथ मिलकर पुलिस टीम पर हमला किया, और उन्हें पटना (बिहार) में अपने ठिकाने पर बंदी बना लिया। बाद में मौके से फरार हो गया।

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में सीआईएसएफ में कार्यरत एक महिला कांस्टेबल ने आरोपी के खिलाफ बिंदापुर थाने में बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था।

महिला कांस्टेबल का कहना है कि वह वैवाहिक वेबसाइट जीवनसाथी डॉट कॉम के जरिए आरोपी के संपर्क में आई थी।

पुलिस ने बताया कि, महिला कांस्टेबल का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया कि अगर उसने ये बात किसी को बतायी तो वह वीडियो और तस्वीरें लीक कर देगा।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली के बिंदापुर थाने की स्थानीय पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार करने के लिए पटना में छापेमारी की तो आरोपी ने अपने परिवार के सदस्यों और 30-40 अन्य लोगों के साथ मिलकर पुलिस टीम पर हमला बोल दिया और उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसने अपने साथियों से मिलकर पुलिस टीम की पिटाई की। साथ ही आरोपी ने दिल्ली पुलिस को उसे गिरफ्तार करने की चुनौती भी दी थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने भी जांच शुरू कर दी और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि दीपक कुमार विज्ञान में ग्रेजुएट है। वह सरकारी नौकरी पाना चाहता था, लेकिन असफल होने के कारण उसने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को ठगना शुरू कर दिया।

राष्ट्रपति से मुलाकात कर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त की मांग करेंगे भाजपा विधायक

नई दिल्ली, 05 सितमबर (एजेनसी)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने के लिए अब भाजपा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से गुहार लगाने का फैसला किया है। दिल्ली भाजपा के सभी विधायक मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

दिल्ली विधान सभा में विपक्ष के नेता एवं भाजपा विधायक रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने हजारों करोड़ रुपये का शराब का घोटाला किया है और दिल्ली के मुख्यमंत्री सीधे-सीधे इस घोटाले में शामिल हैं, इसलिए वो महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात कर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

बिधूड़ी ने बताया कि मंगलवार सुबह दिल्ली भाजपा के सभी विधायक विजय चौक से पैदल मार्च करते हुए राष्ट्रपति भवन जाएंगे और वहां महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

बिधूड़ी ने दिल्ली सरकार पर अनेक घोटाले करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार ने शराब घोटाले के अलावा शिक्षा, डीटीसी और दिल्ली जल बोर्ड में भी घोटाला किया है।

हिमंत सरमा, गुलाम नबी आजाद 'मीर जाफर' के समान : जयराम

नई दिल्ली, 05 सितमबर (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तुलना 18वीं सदी के मध्य के मीर जाफर से की, जिन्होंने बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के खिलाफ अंग्रेजों का साथ दिया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'वह केवल असम के मुख्यमंत्री नहीं हैं .. वह भाजपा के खलनायक हैं और उन्हें कांग्रेस से सब कुछ प्राप्त करने के बाद कांग्रेस को खत्म करने का काम सौंपा गया है. अगर कोई मीर जाफर जैसा है, वह हिमंत बिस्वा सरमा हैं। जम्मू-कश्मीर में एक और मीर जाफर है लेकिन वह उत्तर पूर्व के मीर जाफर हैं।'

रमेश ने जम्मू-कश्मीर के 'मीर जाफर' का जिक्र नेता गुलाम नबी आजाद से किया, जिन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़ दी और अपनी पार्टी शुरू करने की घोषणा की। भाजपा में आने से पहले सरमा कांग्रेस के साथ थे और तरुण गोगोई कैबिनेट में मंत्री थे।

कांग्रेस के 3 विधायकों को मिली झारखंड लौटने की सशर्त अनुमति

कोलकाता, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने सोमवार को झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों को राज्य में लौटने की सशर्त अनुमति दी, जिन्हें जुलाई में भारी मात्रा में नकदी के साथ पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार किया गया था, ताकि वे अपने मूल राज्य में लौट सकें।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति बिवास पटनायक की कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि तीन विधायकों (जामताड़ा से इरफान अंसारी, खिजरी (एसटी) से राजेश कच्छप और कोलेबिरा (एसटी) से नमन बिक्सल कोंगारी को राज्य के किसी भी विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए केवल झारखंड वापस जाने की अनुमति दी जाएगी।

हालांकि, पश्चिम बंगाल छोड़ने से पहले, इन तीनों विधायकों को राज्य पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सूचित करना होगा और झारखंड विधानसभा से पत्र की एक प्रति भी प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें उन्हें किसी भी सत्र में भाग लेने के लिए समर्थन साक्ष्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

खंडपीठ ने यह भी फैसला सुनाया कि झारखंड विधानसभा के किसी भी सत्र में भाग लेने के बाद तीनों विधायकों को 24 घंटे के भीतर कोलकाता वापस आना होगा।

आपको बता दें कि 30 जुलाई 2022 की शाम को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के रानीहाटी में विधायकों को बैंक नोटों के बैग के साथ पकड़ा गया था। नोटों की गिनती की गई तो कुल राशि 48 लाख रुपए निकली।

ये तीनों विधायक दो अन्य सहयोगियों के साथ एक एसयूवी में यात्रा कर रहे थे।

खुफिया सूचनाओं के आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

इस एसयूवी पर झारखंड के जामताड़ा विधायक का बोर्ड लगा था। बताया गया कि पुलिस हिरासत में लिए गए तीनों विधायक गाड़ी में मिले नकदी के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके।

कलकत्ता उच्च न्यायालय में कुछ दौर के कानूनी विचार-विमर्श के बाद, तीन विधायकों को 17 अगस्त को जमानत दे दी गई थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें अगले आदेश तक कोलकाता छोड़ने से रोक दिया।

हाल ही में, तीन विधायकों ने फिर से कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बागची और न्यायमूर्ति पटनायक की खंडपीठ से झारखंड विधानसभा सत्र में उपस्थित होने की अनुमति के लिए प्रार्थना की।

उसी के आधार पर हाईकोर्ट ने उनकी अपील को सशर्त मंजूरी दे दी।

लखनऊ अग्निकांड के बाद एक्शन में योगी सरकार, होटल लेवाना पर चलेगा बुल्डोजर

लखनऊ, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। राजधानी लखनऊ में होटल में लगी आग से 4 की जान जाने के बाद योगी सरकार एक्शन में आ गई। मदन मोहन मालवीय मार्ग स्थित होटल लेवाना को सील करने और विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए ध्वस्तीकरण के निर्देश कमिश्नर ने दिए हैं। शासन ने इस अग्निकांड में मंडलायुक्त और पुलिस आयुक्त को जांच सौंपी है। इसी क्रम में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने निर्देश जारी किए हैं। साथ ही जिन होटलों ने एलडीए को नोटिस मिलने के बाद कोई दस्तावेज नहीं दिए हैं, उनको सील करने के निर्देश भी दिए हैं।

मंडलायुक्त और एलडीए अध्यक्ष डॉ. रोशन जैकब ने चिट्ठी में लिखा है कि इस होटल के बारे में उपाध्यक्ष ने जानकारी दी है। उसके अनुसार 12 मई को नोटिस के जवाब में लेवाना सूईट्स होटल ने 2021 से 2024 तक की अग्निशमन विभाग की फायर एनओसी प्रस्तुत की है। मंडलायुक्त के अनुसार होटल में फायर एस्केप प्रणाली का अभाव है। फसाड पर लोहे की ग्रिल हैं फिर भी एनओसी कैसे मिल गई यह जांच का विषय है।

इसके अलावा होटल मालिक ने एलडीए को कोई स्वीकृत मानचित्र नहीं दिया। जोनल अधिकारी ने इसी साल मई में नोटिस भेजा। इसका होटल ने जवाब भी नहीं दिया। इस पर 28 अगस्त को विहित प्राधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया। कमिश्नर ने सीलिंग की कार्रवाई तुरंत करते हुए विधिक प्रक्रिया पूरी कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

शीर्ष कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- सरकार पर नहीं डाल सकते निजी अस्पतालों की सुरक्षा का भार

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निजी अस्पतालों की सुरक्षा से जुड़ी एक याचिका पर कड़ी टिप्पणी करते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने कहा कि इस देश में बड़ी संख्या में अस्पताल, नर्सिंग होम और चिकित्सा संस्थान निजी हैं। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार से ये आशा नहीं की जा सकती कि वे इन निजी संस्थानों को सुरक्षा उपलब्ध कराएं। पीठ ने ये भी कहा कि निजी अस्पतालों को अपनी सुरक्षा के लिए खुद इंतजाम करने चाहिए।

पीठ दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की असम राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉक्टर सत्यजीत बोरा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

इसमें याचिकाकर्ताओं ने आग्रह किया था कि अधिकारियों को अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए ताकि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों पर मरीजों के रिश्तेदारों और अन्य लोगों के हमलों को रोका जा सके।

इस याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील से पूछा कि आप चाहते हैं कि सरकार प्रत्येक अस्पताल को सुरक्षा प्रदान करे ? निजी संस्थानों को अपनी सुरक्षा की व्यवस्था खुद करनी चाहिए। आप सरकार पर बोझ नहीं डाल सकते।

अदालत की फटकार के बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि वे अपनी याचिका में जरूरी संशोधन के बाद संबंधित दस्तावेज जमा करेंगे। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि हम याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि इसमें विवरण का अभाव है। साथ ही पीठ ने आगे कहा कि आगे भी हम इस तरह की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

पीठ ने कहा कि हम राज्य सरकार या केंद्र सरकार से निजी अस्पतालों के लिए सुरक्षा प्रदान करने की उम्मीद नहीं कर सकते जो कि व्यावसायिक उद्यम हैं।

बंगाल के स्कूली पाठ्यक्रम में नैतिक चरित्र निर्माण पर नया अध्याय : ममता बनर्जी

कोलकाता, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के स्कूली पाठ्यक्रम में जल्द ही 'नैतिक चरित्र निर्माण' पर एक नया अध्याय शामिल किया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भ्रष्टाचार के कई आरोपों से घिरी हुई है।

उन्होंने शिक्षक दिवस पर सोमवार की दोपहर में शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। इस मौके पर राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु मौजूद थे। उन्होंने इस संबंध में तैयारी की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से शुरू करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से नहीं जाना जाता, जिसका वह मालिक है। किसी के पास कितना पैसा है, यह किसी व्यक्ति की एकमात्र पहचान नहीं है। हमेशा याद रखें कि आज जो पैसा आपके पास है वह कल नष्ट हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदार रहूंगा या नहीं, यह केवल मुझ पर निर्भर करेगा। सभी उंगलियां एक जैसी नहीं होतीं। समाज में अच्छे लोग होते हैं और बुरे लोग भी। इसलिए कुछ बुरे लोगों के लिए पूरे समाज को बदनाम करना अनुचित होगा।'

याद रहे कि तृणमूल कांग्रेस के नेता पार्थ चटर्जी और अनुब्रत मंडल को क्रमश: शिक्षक भर्ती और पशु तस्करी घोटालों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी-कभी अच्छे लोग भी गलत संगति या मानसिक अवसाद के कारण गलत रास्ता अपनाते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर चल रहे विवाद को बहुत पहले सुलझाया जा सकता था, यदि इस मामले में लगातार जनहित याचिका (पीआईएल) दायर नहीं की गई होती।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये कानूनी अड़चनें पूरी प्रक्रिया में देरी कर रही हैं। मैं मानती हूं कि कुछ गलतियां हुई थीं, लेकिन कम से कम हमें उन्हें सुधारने का मौका तो मिलना चाहिए।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'पिछले वाम मोर्चा शासन के दौरान सत्ताधारी सभी कागजात और दस्तावेजों को नष्ट कर देते थे।'

कारों में जरूरी होंगे 6 एयरबैग, गडकरी ने वाहन निर्माताओं पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (एजेन्सी)। नितिन गडकरी ने कहा कि इकॉनमी कार बनाने वाले निर्माता जब एक्सपोर्ट करने के लिए कार बनाते हैं तो इसमें 6 एयरबैग देते हैं जबकि देश में इस्तेमाल के लिए बनाते हैं तो केवल चार एयरबैग ही लगाते हैं। नितिन गडकरी ने बड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि क्या गरीबों के जीवन की कीमत नहीं है? एक टीवी चैनल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियां तर्क देती हैं कि ज्यादा एयरबैग लगाने से कार की कीमत बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि कार में एक एयरबैग लगाने की कीमत 900 रुपये तक लाई जा सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार में 6 एयरबैग लगाना अनिवार्य किया जाएगा और यह प्रक्रिया चल रही है। नितिन गडकरी लंबे समय से गाड़ियों में 6 एयरबैग की वकालत करते रहे हैं। संसद में भी गडकरी ने कहा था कि एयरबैग का खर्च मात्र 900 रुपये है और जो लोग गाड़ी में पीछे बैठते हैं उनकी भी सुरक्षा जरूरी है।

टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद-मुंबई हाइवे पर ट्रैफिक फ्लो बहुत ज्यादा होता है और इसलिए यह बहुत खतरनाक भी है। गडकरी ने कहा कि जिस हाइवे पर मिस्त्री का ऐक्सिडेंट हुआ है वह उन्होंने ने ही बनवाया था। उस वक्त गडकरी महाराष्ट्र सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे।

सड़क दुर्घटनाओं के बारे में गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया का दुसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन गया लेकिन अभी बहुत कुछ बाकी है। हर साल यहां पांच लाख से ज्यादा ऐक्सिडेंट होते हैं और इनमें डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों की जान जाती है। इनमें 65 फीसदी मरने वाले वे होते हैं जिनकी उम्र 18 से 34 साल के बीच है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि 2024 के आखिरी तक देश में सड़क दुर्घटनाएं आधी हो जाएं। इस दिशा में काम शुरू कर दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com